दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K ✌ K RNI No.61546/95

क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-202 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) रविवार 20 सितम्बर 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

कमजोर कभी क्षमाशील नहीं हो सकता है। क्षमाशीलता ताकतवर की निशानी है।

गांधी जी के विचार

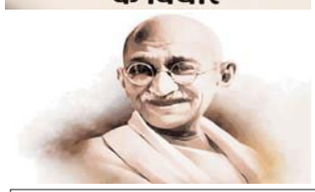

इंदौर में छात्रों की गूंज... राहुल गांधी ने कहा- सिस्टम नहीं चाहता कोई सवाल पूछे, इसलिए अंधभक्त पैदा करता है

आज स्टूडेंट खुश नहीं- राहुल गांधी

राहुल गांधी ने कहा कि अगर आज हम स्टूडेंट्स से बात करें तो वे खुश नहीं हैं। स्टूडेंट्स असहज हैं, उन्हें अपना भविष्य नहीं दिख रहा और वे दबाव में हैं।उन्होंने कहा कि आइए, स्टूडेंट्स की आवाज सुनते हैं। आप सिस्टम के बारे में क्या कह रहे हैं, उसे सुनते हैं। छात्रों के मन में यह सवाल है कि परीक्षा पर भरोसा कैसे किया जाए? कैसे भरोसा करें कि परीक्षा पूरी पारदर्शिता के साथ हो रही है? कैसे पता चले कि किसी परीक्षा में सही तरीके से चयन हुआ है या नहीं?

इंदौर,(आरएनएस)। राहुल गांधी इंदौर में छात्रों की गूंज कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यक्रम के लिए IDA ग्राउंड पर 20 से 25 हजार युवा पहुंचे थे। राहुल गांधी ने इस कार्यक्रम में शिक्षा, रोजगार, पेपर लीक और प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे मुद्दों पर चर्चा की। राहुल गांधी ने कहा स्टूडेंट को सिस्टम कैसे बनाना, कैसे सिस्टम को चैलेंज करेंगे इंदौर के छात्रों के गूंज का मुद्दा है। छात्र में जिज्ञासा होती है, सवाल पूछते हैं, छात्र नफरत नहीं करते प्यार से बर्ताव करते है। छात्र निडर, दूसरी सोच को समझने की कोशिश करते हैं डराते नहीं है। ईमानदारी से देश बनता हैं और ये क्वालिटी भारत के हर युवा में है इन्ही क्वालिटीज को सुरक्षित रखना है।राहुल गांधी ने कहा, आपने मेरा जिस तरह स्वागत किया, उसके लिए धन्यवाद। मैं यहां आकर बहुत खुश हूं। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम कोटा, देहरादून और पुणे के बाद अब इंदौर में आयोजित किया जा रहा है। राहुल ने कहा कि हर शहर में कार्यक्रम के दौरान छात्रों से जुड़े मुद्दे और उनके भविष्य से जुड़े सवाल उठाए जाते हैं। इनमें पेपर लीक, संस्थागत

विफलता, इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी, शिक्षा की बढ़ती लागत और निजीकरण जैसे मुद्दे शामिल हैं। उन्होंने कहा, इंदौर में हमने तय किया है कि आज का विषय 'सिस्टम बनाम स्टूडेंट्स' होगा। छात्र बताएंगे कि सिस्टम क्या है, वह छात्रों को कैसे प्रभावित कर रहा है और किस तरह छात्रों के भविष्य के सामने चुनौतियां खड़ी हो रही हैं। राहुल गांधी ने कहा कि कार्यक्रम में कई युवा मंच पर आकर अपने दिल की बात रखेंगे। इसके साथ ही उन्होंने इंदौर के 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम की शुरुआत की।

राहुल बोले- कैंडिडेट्स की भी गलती, युवा बोले- हम सिस्टम से हार गए

राहुल गांधी ने कहा- परीक्षाओं के दौरान कुछ अभ्यर्थियों की भी गलती हुई है, लेकिन कहीं न कहीं उनका सिस्टम पर भरोसा खत्म हो गया है। इसके बाद छात्रों की ओर से आवाज आई- "सर, हम सिस्टम से हार गए।" राहुल ने कहा कि सिस्टम के अंदर बैठे कुछ लोग भ्रष्ट हो जाते हैं। पैसे के चक्कर में पेपर लीक कर देते हैं और लाखों छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करते हैं। उन्होंने कहा कि अगर भ्रष्ट लोग परीक्षा व्यवस्था में रहेंगे और परीक्षा प्रणाली ही भ्रष्ट होगी, तो इसका नुकसान बच्चों को उठाना पड़ेगा।

छात्र बोले- हर तरफ फर्जीवाड़ा हो रहा है

एमपी पीएससी में 13 प्रतिशत पर कोर्ट का हवाला देकर रिजल्ट होल्ड कर रही सरकार, कई भर्ती नहीं हो रही निजीकरण हो रहा। राजगढ़ की सपना गुर्जर बोली कांग्रेस ने 14 से 24 प्रतिशत आरक्षण किया भाजपा ने रोक लगाई। एक लाख 87 हजार युवा इंतजार कर रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उत्तराखंड के गवर्नर लेफ्टिनेंट जनरल (सेनि) गुरमीत सिंह का उज्जैन में जेके लाइफकेयर सेंटर्स प्राइवेट लिमिटेड की नई फार्मास्यूटिकल मैनुफैक्चरिंग यूनिट के लोकार्पण कार्यक्रम में पुष्प-गुच्छ भेंट कर स्वागत किया ।

दमोह में एक ही परिवार के 4 लोगों की हत्या, कमरे में मिले मां-बच्चों के शव, पति हिरासत में; अवैध संबंध का शक

दमोह (आरएनएस)। मध्य प्रदेश के दमोह जिले अंतर्गत मगरोन थाना क्षेत्र के कबीरपुर गांव में एक रोंगटे खड़े कर देने वाली वारदात सामने आई है। यहां एक ही परिवार के चार सदस्यों की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई हत्या से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। घर के भीतर एक महिला और उसके तीन मासूम बच्चों के शव मिलने से गांव में मातम और दहशत का माहौल है। घटना की खबर मिलते ही मगरोन थाना प्रभारी वंदना गौर, फतेहपुर चौकी प्रभारी रघुवीर सिंह और पथरिया एसडीओपी प्रिया सिंधी भारी पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे।मां सहित 1, 4 और 7 साल के बच्चों की मौत, पति से पूछताछप्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मृतकों में खेमा पटेल (27 वर्ष), उसकी सात वर्षीय बेटी उर्मिला पटेल, चार वर्षीय बेटा उमेश पटेल और महज एक साल का दुधमुंहा बेटा राजा पटेल शामिल हैं। मृतका का पति द्वारका पटेल मजदूरी के सिलसिले में बाहर रहता था और हाल ही में घर लौटा था।

मुख्यमंत्री स्कूटी योजना अंतर्गत 7,400 से अधिक मेधावी विद्यार्थियों को मिली स्कूटी की सौगात

विद्यार्थियों के सपनों को पूरा करने के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने को सरकार है संकल्पित : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

युवाओं के सामर्थ्य से साकार होगा विकसित मध्यप्रदेश और विकसित भारत का सपना

भोपाल,(आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि विद्यार्थियों की मेहनत और उपलब्धियों को पुरस्कृत करना परिवार , समाज और सरकार का दायित्व है। विद्यार्थियों के सपनों को पूरा करने के लिए आवश्यक संसाधन और अवसर उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार संकल्पित है। आर्थिक कठिनाइयों अथवा संसाधनों की कमी के कारण किसी भी प्रतिभावान विद्यार्थी की प्रगति नहीं रुकनी चाहिए। मेधावी विद्यार्थियों को प्रदान की जा रही स्कूटी केवल आवागमन का साधन नहीं, बल्कि उनकी प्रतिभा और परिश्रम के पुरस्कार के साथ आत्मविश्वास और उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रोत्साहन है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव भोपाल के सुभाष स्कूल में शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूलों में कक्षा-12वीं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को मुख्यमंत्री स्कूटी योजना अंतर्गत स्कूटी वितरण के राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। योजना का लाभ

प्राप्त करने के लिए विद्यार्थियों को कक्षा 12 वीं में प्रथम प्रयास में ही 70 प्रतिशत या उससे अधिक अंक के साथ स्कूल में प्रथम स्थान पर आना जरूरी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा शनिवार को समारोहपूर्वक प्रदेश के 7400 से अधिक मेधावी विद्यार्थियों को स्कूटी वितरित की गई।

कक्षा की सफलता से कैरियर के सपनों तक, विद्यार्थियों को सतत प्रोत्साहन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री स्कूटी योजना उन विद्यार्थियों के परिश्रम और प्रतिभा का सम्मान है, जिन्होंने कठिन परिस्थितियों में अध्ययन कर के बीच अपने परिवार और समाज को गौरवान्वित किया है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार विद्यार्थियों को निःशुल्क किताबें, गणवेश और साइकिलें भी उपलब्ध करा रही है, ताकि आर्थिक परिस्थितियां उनकी पढ़ाई में बाधा न बनें। आज प्रदेश के बच्चे पढ़-लिखकर पारंपरिक व्यवसायों और खेती-किसानी में भी नई संभावनाएं तलाश रहे हैं। कई विद्यार्थी एग्रीकल्चर स्टार्ट-अप शुरू कर परिवार की आय बढ़ाने का सपना देख रहे हैं। आधुनिक तकनीक और नवाचार से कृषि को लाभ का बेहतर माध्यम बनाया जा सकता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विद्यार्थियों के आत्मविश्वास और भविष्य के प्रति उनकी स्पष्ट सोच की सराहना करते हुए कहा , हमारे लिए प्रसन्नता की बात है कि किसान और सामान्य परिवारों से आने वाले विद्यार्थी भी आज चार्टेड एकांटेंट, चिकित्सक, अधिवक्ता, कृषि वैज्ञानिक और उद्यमी बनने के सपने देख रहे हैं। विद्यार्थियों की यह सोच नए और आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश की पहचान है। देश और प्रदेश का भविष्य युवाओं के हाथों में है। विद्यार्थियों को बड़े सपने देखने के साथ उन्हें साकार करने के लिए परिश्रम, अनुशासन और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

नलखेड़ा में मूसलाधार बारिश के बाद हुआ हादसा; मृतकों में तीन बच्चे और दो महिलाएं शामिल, पहचान में जुटा प्रशासन

मां बगलामुखी मंदिर के पास बरसाती नाले में बही श्रद्धालुओं से भरी कार, आठ की मौत

आगर मालवा (आरएनएस)। मध्य प्रदेश के आगर मालवा जिले के नलखेड़ा में प्रसिद्ध मां बगलामुखी मंदिर के समीप तेज बारिश के बाद उफने बरसाती नाले में श्रद्धालुओं से भरी एक कार बह गई। दर्दनाक हादसे में कार सवार सभी आठ श्रद्धालुओं की मौत हो गई। मृतकों में तीन बच्चे और दो महिलाएं शामिल हैं। सभी श्रद्धालु मां बगलामुखी मंदिर में दर्शन के लिए नलखेड़ा पहुंचे थे। जानकारी के अनुसार, क्षेत्र में रात के समय मूसलाधार बारिश हुई थी। इसके चलते मां बगलामुखी मंदिर के समीप स्थित बरसाती नाले में पानी का स्तर तेजी से बढ़ गया और बहाव बेहद तेज हो गया। इसी दौरान मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचे श्रद्धालुओं की कार नाले के पास से गुजर रही थी। अचानक तेज पानी की चपेट में आने से कार असंतुलित हो गई और नाले में जा गिरी।पानी का बहाव इतना तेज था कि कार बहते हुए काफी दूर तक चली गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासनिक अधिकारी, पुलिस बल और आपातकालीन बचाव दल तत्काल मौके पर पहुंचा और राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया गया।कार और उसमें फंसे लोगों की तलाश के लिए गोताखोरों की मदद ली गई। नाले में पानी का बहाव अत्यधिक तेज होने के कारण बचाव दल को अभियान चलाने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। घटनास्थल पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोग भी पहुंच गए। प्रशासन से मिली प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, हादसे में आठ श्रद्धालुओं की जान गई है। मृतकों में तीन बच्चे, दो महिलाएं और तीन पुरुष शामिल बताए गए हैं।

ममता बनर्जी को एक और झटका, रेजीनगर से टीएमसी प्रत्याशी रबीउल आलम ने वापस लिया नाम

कोलकाता (आरएनएस)। पश्चिम बंगाल में 6 अक्टूबर को होने वाले विधानसभा उपचुनाव से पहले तृणमूल कांग्रेस को लगातार दूसरे दिन बड़ा झटका लगा है। नंदीग्राम विधानसभा सीट से पार्टी प्रत्याशी के चुनाव मैदान से हटने के एक दिन बाद अब रेजीनगर विधानसभा सीट से घोषित प्रत्याशी रबीउल आलम चौधरी ने भी अपना नामांकन वापस ले लिया है। दोनों प्रत्याशियों के नाम पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी के मार्गदर्शन में 13 सितंबर को घोषित किए गए थे।इससे पहले शुक्रवार को तृणमूल कांग्रेस की नंदीग्राम से प्रत्याशी संचिता प्रधान डे ने भी उपचुनाव से अपना नाम वापस ले लिया था। संचिता ने राज्य सचिवालय नबन्ना में मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी से मुलाकात के कुछ घंटे बाद चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया था। हालांकि, उस समय उनकी मुलाकात को शिष्टाचार भेंट बताया गया था, लेकिन सुवेंदु अधिकारी के नंदीग्राम के मौजूदा विधायक और राज्य के मुख्यमंत्री होने के कारण इस मुलाकात को लेकर राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज हो गई थी।

मानसून की विदाई शुरू, पश्चिमी राजस्थान से लौटने के अनुकूल हुए हालात

-कई राज्यों में बारिश का दौर जारी; बंगाल की खाड़ी में बन रहा कम दबाव का क्षेत्र, चक्रवाती तूफान में बदलने की आशंका

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश में दक्षिण-पश्चिम मानसून अब अपने अंतिम दौर में पहुंच गया है। मौसम के पूर्वानुमान के अनुसार, 19 सितंबर से पश्चिमी राजस्थान के कुछ हिस्सों से मानसून की वापसी के लिए परिस्थितियां अनुकूल बन रही हैं। हालांकि, मानसून की विदाई शुरू होने के बावजूद देश के कई हिस्सों में बारिश की गतिविधियां जारी रहने की संभावना है।

एक जून से 30 सितंबर के बीच देश में सामान्य रूप से 868.6 मिलीमीटर बारिश होती है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, इस वर्ष अब तक सामान्य के मुकाबले करीब 15 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई है। मानसून की वापसी की प्रक्रिया शुरू होने के साथ ही देश के अलग-अलग हिस्सों में मौसम का मिजाज भी बदलने लगा है।

मानसून की विदाई के बीच पूर्वी भारत के कई राज्यों में बारिश का दौर सक्रिय रहने की संभावना है। पश्चिम बंगाल, झारखंड और ओडिशा में आने वाले दिनों में बारिश जारी रह सकती है। मध्य भारत में भी छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और विदर्भ में मौसम की गतिविधियां बनी रहने का अनुमान है।

दक्षिण भारत में भी बारिश की गतिविधियों में तेजी आने की संभावना है। क्षेत्र में कम दबाव की रेखा बनने के कारण तेलंगाना, आंतरिक कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु में कई स्थानों पर बारिश हो सकती है।

पिछले दिनों देश के विभिन्न हिस्सों में अच्छी बारिश दर्ज की गई। पश्चिम बंगाल के अलीपुरद्वार में 105 मिलीमीटर, महाराष्ट्र के मराठवाड़ा क्षेत्र के परभणी में 80 मिलीमीटर, गुजरात के द्वारका में 75 मिलीमीटर, गांधीनगर में 47 मिलीमीटर और ओडिशा के चांदबली में 29 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई।

पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और पश्चिमी उत्तर प्रदेश समेत उत्तर भारत के कई हिस्सों में अब बारिश की गतिविधियां कम होने लगी हैं। शुष्क पश्चिमी हवाओं के प्रभाव से इन क्षेत्रों में मौसम अपेक्षाकृत शुष्क रहने की संभावना है।

तिरुपति लड्डू घी मिलावट मामले में ईडी की बड़ी कार्रवाई, सुकृति फूड्स के प्रमोटर गिरफ्तार

-मिलावटी घी की आपूर्ति से जुड़े धन शोधन मामले में कैलाश चंद मंगला न्यायिक हिरासत में

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने तिरुपति मंदिर के लड्डू प्रसादम में इस्तेमाल होने वाले घी में कथित मिलावट से जुड़े धन शोधन मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए सुकृति फूड्स के प्रमोटर कैलाश चंद मंगला को गिरफ्तार किया है। ईडी का आरोप है कि तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) को 'एगमार्क विशेष श्रेणी गाय का घी' के नाम पर आपूर्ति किया गया उत्पाद वास्तव में रिफाइंड पाम ऑयल और विभिन्न रसायनों की मदद से तैयार किया गया था।ईडी के अनुसार, कैलाश चंद मंगला को 17 सितंबर को हैदराबाद स्थित ईडी कार्यालय ने हिरासत में लिया था। इसके बाद उन्हें विशाखापत्तनम स्थित धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की विशेष अदालत के समक्ष पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

सूर्य देवता की भाँति अग्निवर्ण वस्त्र धारण कर संत स्वयं कुछ नहीं चाहते, किंतु सभी वर्गों के कल्याण की करते हैं कामना : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ब्रह्मलीन गुरुदेव स्वामी सत्यमित्रानंद गिरि जी महाराज के 94वें प्राकट्य दिवस महोत्सव में हुए शामिल

भोपाल (आरएएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शनिवार को उज्जैन में अनंत श्री विभूषित, निवृत्त जगद्गुरु शंकराचार्य महामंडलेश्वर, विश्वविख्यात भारत माता मंदिर (हरिद्वार) के संस्थापक ब्रह्मलीन पूज्यपाद गुरुदेव श्री स्वामी सत्यमित्रानंद गिरि जी महाराज के 94वें प्राकट्य दिवस महोत्सव में शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि संन्यास मार्ग से जुड़कर समाज के लिए जीने वाले हमारे संतवृंद अपनी आध्यात्मिक साधना के साथ समाज की बाधाओं, विकास के मार्गों और चुनौतियों पर चिंतन कर हमें सही दिशा दिखाते हैं। यह हमारी सनातन संस्कृति की अद्भुत धरोहर है। सूर्य देवता की भाँति अग्निवर्ण वस्त्र धारण कर संत स्वयं कुछ नहीं चाहते, किंतु गृहस्थ से लेकर सभी वर्गों के कल्याण की कामना करते हैं। संतों के मुखारविंद से जो वाणी निकलती है, उससे संपूर्ण वातावरण धन्य हो जाता है। सनातन धर्म की ध्वजा आज देश और दुनिया में लहरा रही है। बाबा महाकाल की नगरी में पद्म विभूषण पंडित सूर्यनारायण व्यास से जुड़े प्रसंग और यहाँ की ज्योतिष परंपरा के चमत्कार भी हमें स्मरण रहते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ब्रह्मलीन गुरुदेव श्री स्वामी सत्यमित्रानंद गिरि जी महाराज के प्राकट्य दिवस के भव्य आयोजन के लिए सभी को अपनी ओर से शुभकामनाएं दीं। अतिथियों द्वारा

पुस्तकों का विमोचन भी किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ब्रह्मलीन गुरुदेव श्री स्वामी सत्यमित्रानंद गिरि जी महाराज सनातन धर्म, वैदिक संस्कृति एवं राष्ट्रभाव के तेजस्वी प्रवक्ता रहे। उन्होंने हरिद्वार में विश्वविख्यात भारत माता मंदिर की स्थापना की। निवृत्त जगद्गुरु शंकराचार्य एवं महामंडलेश्वर के रूप में उन्होंने देश-विदेश में भारतीय आध्यात्मिक परंपरा का प्रसार किया। उनके 94वें प्राकट्य दिवस पर उज्जैन में आयोजित यह महोत्सव उनकी दिव्य स्मृति, उपदेशों एवं राष्ट्र-धर्म की सेवा को समर्पित है।हम सब सौभाग्यशाली हैं कि बाबा महाकाल की धरती पर दो वर्ष बाद सिंहस्थ महापर्व होने जा रहा है। संतों के मार्गदर्शन और कल्याण के भाव हम सभी को मिलते रहते हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सिंहस्थ-2028 के लिये प्रदेश सरकार हर प्रकार का प्रबंधन कर रही है। प्रत्येक बारह वर्ष बाद आयोजित होने वाले सिंहस्थ में सरकार द्वारा निरंतर विकास कार्यों को पूरा किया जा रहा है। आधारभूत संरचना के कार्य चल रहे हैं, किंतु आध्यात्मिक चेतना का जो महत्व है, उस पर भी सरकार विशेष प्रयास कर रही है । वर्ष 2022 में श्री महाकाल महालोक बनने के बाद धार्मिक पर्यटन के केंद्र उज्जैन में निरंतर श्रद्धालुओं का आगमन हो रहा है। गत वर्ष 8 करोड़ से अधिक तीर्थयात्रियों ने उज्जैन के दर्शन किए। इस वर्ष यह तीर्थयात्रियों की संख्या 12 करोड़ के पार जाने वाली है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ब्रह्मलीन गुरुदेव श्री स्वामी सत्यमित्रानंद गिरि जी महाराज के प्राकट्य दिवस के भव्य आयोजन के लिए सभी को अपनी ओर से शुभकामनाएं दीं। उज्जैन धर्म की राजधानी तो है ही, काल गणना की नगरी भी है, विज्ञान की धरती है, आध्यात्मिकता और दर्शन की धरती है। वैदिक काल गणना को पुनः प्रतिष्ठित करते हुए आधुनिक दृष्टि से वेधशाला भी विकसित की गई है। तीन सौ वर्ष पूर्व तक विश्व में समय निर्धारण उज्जैन से होता था। उत्तरायण, दक्षिणायन और सूर्य मध्याह्न जैसी गणनाओं के मूल सिद्धांत यहाँ जीवंत हैं। वर्तमान में आईटी पार्क से लेकर डीप टेक रिसर्च पार्क तक अंतरराष्ट्रीय स्तर के व्यापार-व्यवसाय का केंद्र भी इंदौर-उज्जैन मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र के रूप में उभर रहा है।

भोपाल। श्यामला हिल्स स्थित शिमला प्रोटीन्स के पास सजाई गई बालाजी के रूप में गणेश जी की आकर्षक प्रतिमा श्रद्धालुओं के बीच आकर्षण का केंद्र बनी हुई है।

मध्यप्रदेश पुलिस की साइबर अपराधों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई

म्यूल बैंक खातों, निवेश ठगी और साइबर फ्रॉड नेटवर्क पर कसा शिकंजा

भोपाल (आरएएनएस)। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा साइबर अपराध एवं ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में विगत दो दिनों में प्रदेश के विभिन्न जिलों एवं राज्य साइबर पुलिस द्वारा साइबर ठगी के लिए बैंक खातों के उपयोग, म्यूल अकाउंट के माध्यम से अनधिकृत लेन-देन, शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर धोखाधड़ी तथा अंतर्राज्यीय साइबर फ्रॉड नेटवर्क से जुड़े आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई की गई है।

इन कार्रवाइयों में आरोपियों की गिरफ्तारी के साथ बैंकिंग दस्तावेज, एटीएम कार्ड, चेकबुक, क्यूआर कोड, मोबाइल फोन एवं लैपटॉप सहित महत्वपूर्ण सामग्री बरामद की गई है।

नरसिंहपुर

पुलिस ने म्यूल अकाउंट के माध्यम से अनधिकृत लेन-देन करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों द्वारा कर्नाटक, गुजरात, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र एवं दिल्ली में सक्रिय रहकर करीब 25 लाख रुपये का लेन-देन किया जाना पाया गया। आरोपियों से 02 मोबाइल फोन, 03 पासबुक एवं 04 एटीएम कार्ड जब्त किए गए।

खरगोन

शेयर मार्केट में निवेश पर भारी मुनाफे का झांसा देकर ठगी करने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह का पर्दाफाश करते हुए गुजरात से 03 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों ने व्हाट्सएप के माध्यम से फरियादी से संपर्क कर डमी एप्लीकेशन के जरिए शेयर ट्रेडिंग कराकर ठगी की थी। पुलिस ने ठगी से अर्जित 10 लाख 95 हजार रुपए की राशि बरामद की है।

इंदौर

ऑपरेशन मैट्रिक्स के तहत साइबर फ्रॉड के लिए बैंक खातों का अंतर्राज्यीय नेटवर्क संचालित करने वाले मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों द्वारा साइबर ठगों के साथ 250 से अधिक बैंक खातों की जानकारी साझा की गई थी। आरोपियों के कब्जे से 21 बैंक पासबुक, 08 एटीएम कार्ड, 20 चेकबुक, 07 क्यूआर कोड एवं 01 लैपटॉप बरामद किया गया।

ग्वालियर

21 करोड़ रुपये से अधिक की ट्रेडिंग ठगी के मामले में 8वें आरोपी को राज्य साइबर पुलिस ग्वालियर ने छत्तीसगढ़ के कबीरधाम से गिरफ्तार किया। प्रकरण में पूर्व में 07 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। जांच में सामने आया कि आरोपियों ने Tradecboeus नामक फर्जी वेब प्लेटफॉर्म तैयार कर निवेश पर लाभ का झांसा दिया और फर्जी प्लेटफॉर्म पर निवेश की राशि का बढ़ता-घटता ग्राफ दिखाकर अधिक निवेश के लिए प्रेरित किया। आरोपी के बैंक खाते का उपयोग तीन राज्यों में साइबर फ्रॉड से संबंधित लेन-देन में पाया गया तथा तीन राज्यों की शिकायतों के आधार पर खाता फ्रीज किया गया था। मोबाइल जांच में कंबोडिया के कंट्री कोड वाले नंबर से व्हाट्सएप चैट के प्रमाण मिले हैं।

पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से पश्चिम मप्र में अब तक 74 हजार उपभोक्ता लाभान्वित

भोपाल (आरएएनएस)। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का प्रभावी क्रियान्वयन कर रही है। अब तक 74 हजार से ज्यादा उपभोक्ताओं ने पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए हैं। पात्र उपभोक्ता को 78 हजार रूपए तक की सब्सिडी दी जा रही है। इन उपभोक्ताओं को प्रतिमाह तीन सौ यूनिट बिजली प्राप्त हो रही है। यह एक मध्यमवर्गीय परिवार के लिए काफी है। पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना में अब तक करीब 505 करोड़ रूपए की सब्सिडी राशि उपभोक्ताओं के बैंक खातों में केंद्र नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के माध्यम से जमा हो चुकी हैं। सब्सिडी आने का क्रम सतत जारी है। कंपनी के प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह ने बताया कि ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर के निर्देश पर सौर ऊर्जा प्रकरण तेजी से मंजूर किए जा रहे हैं। इसी वजह से मालवा निमाड़ में पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना लागू होने के बाद रूफ टॉप सोलर संयंत्रों की संख्या पांच गुना से ज्यादा हो चुकी है।

मोहन भागवत के बयान पर दिग्विजय सिंह बोले:धर्म जोड़ता है, राजनीति हमें विभाजित करती है; मोहन जी आप सहमत हैं तो समर्थन करिए

भोपाल (आरएएनएस)। पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के उज्जैन में दिए अहंकार संबंधी बयान का समर्थन किया है। दिग्विजय ने सोशल मीडिया पर भागवत का वीडियो शेयर करते हुए लिखा कि वे उनकी इस बात से सहमत हैं कि जिसका उदय होता है, उसका अस्त भी होता है। किसी को भी अहं और अहंकार में नहीं डूबना चाहिए।दिग्विजय ने लिखा, काश, सभी बड़े लोग इसे समझें। उन्होंने साथ ही कहा कि धर्म का उपयोग राजनीति में नहीं होना चाहिए। उनके अनुसार धर्म जोड़ता है, जबकि राजनीति लोगों को विभाजित करती है।

दिग्विजय ने भागवत से समर्थन मांगा

दिग्विजय ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि धर्म के संबंध में बात करें तो वह समुद्र के समान है, लेकिन सभी धर्म इंसानियत के रास्ते पर चलना सिखाते हैं। उन्होंने कहा कि धर्म सभी को जोड़ता है और इसका इस्तेमाल राजनीति में नहीं होना चाहिए।उन्होंने भागवत से कहा कि यदि वे इस बात से सहमत हैं तो इसका समर्थन करें। दिग्विजय ने लिखा कि इससे उनकी विश्वसनीयता बढ़ेगी, अन्यथा कथनी और करनी में अंतर दिखाई देगा। उज्जैन में शुक्रवार को युवा धर्म संसद में मोहन भागवत ने युवाओं से अहंकार से बचने की बात कही थी। उन्होंने कहा था कि मनुष्य अहंकार में यह मान लेता है कि सब कुछ उसकी इच्छा और नियंत्रण के अनुसार चलता है, जबकि ऐसा नहीं है। उन्होंने सूर्य के उदाहरण के जरिए कहा कि जिसका उदय होता है,

उसका अस्त भी होता है।भागवत ने धर्म को केवल पूजा-पद्धति तक सीमित न रखने की बात भी कही। उन्होंने कहा कि धर्म जीवन के हर चरण में मौजूद रहता है और इसे बुढ़ापे या रिटायरमेंट से जोड़कर नहीं देखना चाहिए। युवा धर्म संसद में करीब 1,700 युवा शामिल हुए। भागवत ने अपने संबोधन में किसी नेता का नाम नहीं लिया था। उनके बयान के बाद सोशल मीडिया पर इसके अलग-अलग राजनीतिक अर्थ निकाले गए हैं।

प्रमुख सचिव जेल विभाग मुकेश चन्द गुप्ता ने किया सर्किल जेल रतलाम का आकस्मिक निरीक्षण

सुरक्षा व्यवस्था से लेकर स्वास्थ्य, भोजन, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग और बंदी सुविधाओं का लिया जायजा

भोपाल(आरएएनएस)। जेल विभाग के प्रमुख सचिव मुकेश चन्द गुप्ता ने गुरुवार को सर्किल जेल रतलाम का आकस्मिक निरीक्षण कर जेल की सुरक्षा व्यवस्था, बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं एवं विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने जेल प्रशासन को व्यवस्थाओं के सुचारू संचालन तथा बंदियों की आवश्यकताओं के प्रति संवेदनशीलता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान प्रमुख सचिव ने जेल के मुख्य द्वार की सुरक्षा व्यवस्था एवं सीसीटीवी कंट्रोल रूम का अवलोकन किया। इसके साथ ही जेल अस्पताल एवं नशामुक्ति वार्ड का भ्रमण कर बीमार बंदियों से उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। उन्होंने जेल चिकित्सक से बंदियों को उपलब्ध कराए जा रहे उपचार एवं स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी लेने के साथ अस्पताल में उपलब्ध औषधियों का भी निरीक्षण किया।श्री गुप्ता ने जेल में निरुद्ध बंदियों की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से न्यायालयीन पेशी की व्यवस्था का अवलोकन किया। उन्होंने बंदियों के लिए संचालित इनकमिंग टेलीफोन बूथ एवं मुलाकात सुविधा के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की।प्रमुख सचिव ने जेल स्कूल एवं लाइब्रेरी का निरीक्षण करते हुए बंदियों के लिए उपलब्ध शैक्षणिक एवं पठन-पाठन संबंधी सुविधाओं का जायजा लिया। जेल लाइब्रेरी में उपलब्ध धार्मिक पुस्तकों का अवलोकन कर उन्होंने इस व्यवस्था पर प्रसन्नता व्यक्त की।निरीक्षण के दौरान श्री गुप्ता ने पुरुष बंदी वार्ड एवं महिला वार्ड का भ्रमण कर बंदियों से सीधे संवाद किया तथा उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी ली। उन्होंने बंदियों को उनकी समस्याओं के शीघ्र निराकरण का आश्वासन दिया।

वन्य जीव शिकार के आरोपी सलमान की जमानत याचिका तीसरी बार खारिज

भोपाल(ए.)।मध्यप्रदेश स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स (एमपीएसटीएसएफ) द्वारा काले हिरण और चिंकारा के शिकार के मामले में मुंबई निवासी आरोपी सलमान की तीसरी जमानत याचिका मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय की इंदौर खंडपीठ ने खारिज कर दी है। न्यायालय ने संरक्षित वन्य जीवों के शिकार को गंभीर अपराध मानते हुए आरोपी को राहत देने से इनकार कर दिया। सुनवाई के दौरान आरोपी की ओर से 20 माह से अधिक समय से जेल में निरुद्ध रहने और प्रकरण के विचारण में लग रहे समय का हवाला देते हुए जमानत की मांग की गई। उच्च न्यायालय ने एमपीएसटीएसएफ की ओर से शासकीय अधिवक्ता द्वारा प्रस्तुत तथ्यों के आधार पर संरक्षित वन्य जीवों का क्रूरतापूर्वक शिकार किए जाने तथा शिकार के फोटो और वीडियो बनाए जाने को अत्यंत गंभीर अपराध मानते हुए आरोपी की जमानत याचिका खारिज कर दी। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए उच्च न्यायालय ने विचारण न्यायालय को प्रकरण की दैनिक आधार पर सुनवाई कर शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए हैं।

गार्ड पर पिस्टल तानने वालों का CCTV से रोडमैप तैयार:आसपास के कैमरों से वाहन और आरोपियों की आवाजाही खंगाल रही पुलिस

भोपाल (ए.)। भोपाल में मुख्यमंत्री निवास से महज 200 मीटर दूर नादिर कॉलोनी में सुरक्षा गार्ड पर पिस्टल तानकर धमकाने वाले बदमाशों तक पहुंचने के लिए पुलिस ने CCTV फुटेज के आधार पर उनका रोडमैप तैयार करना शुरू कर दिया है।कॉलोनी के गेट के अलावा आसपास लगे कैमरों की रिकॉर्डिंग भी खंगाली जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच में कुछ अहम सुराग मिले हैं और आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की जाएगी।17-18 सितंबर की दरमियानी रात करीब 1:30 बजे कार सवार कुछ लोग नादिर कॉलोनी के मुख्य गेट पर पहुंचे थे। ड्यूटी पर तैनात सुरक्षा गार्ड अश्वनी ने रात में गेट खोलकर अंदर जाने की अनुमति नहीं दी। इसके बाद कार सवार वहां से चले गए, लेकिन कुछ देर बाद दोबारा लौट आए। आरोप है कि इस दौरान कार सवार एक व्यक्ति ने लोडेड पिस्टल निकालकर हवा में लहराई और फिर गार्ड पर तानकर उसे धमकाया। इसके बाद आरोपी वहां से फरार हो गए।

गेट से लेकर भागने के रूट तक फुटेज खंगाली

घटना के बाद कॉलोनी एसोसिएशन ने नादिर कॉलोनी थाने में शिकायत की। पुलिस ने मामला दर्ज कर कॉलोनी के गेट पर लगे CCTV फुटेज कब्जे में लिए हैं। फुटेज में आरोपी और उनकी कार की गतिविधियां रिकॉर्ड हुई हैं। अब पुलिस गेट से लेकर आसपास की सड़कों पर लगे कैमरों की रिकॉर्डिंग को जोड़कर यह पता लगा रही है कि आरोपी किस दिशा से आए थे और वारदात के बाद किस रास्ते से भागे।

नादिर कॉलोनी मुख्यमंत्री निवास के अलावा होटल जहांनुमा और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन जैसे महत्वपूर्ण संस्थानों से लगी हुई है।ऐसे संवेदनशील और वीवीआईपी इलाके में रात के समय गार्ड पर पिस्टल तानकर धमकाने की घटना ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े किए हैं। पुलिस अब आरोपियों की पहचान के साथ यह भी पता लगा रही है कि वे कॉलोनी में किस उद्देश्य से पहुंचे थे।

जिला न्यायालय परिसर भोपाल में आयोजित हुआ रक्तदान शिविर

31 यूनिट रक्त एकत्रित, न्यायिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने किया रक्तदान

भोपाल (आरएएनएस)। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भोपाल मनोज कुमार श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में शनिवार को जिला न्यायालय परिसर भोपाल में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर का शुभारंभ विशेष न्यायाधीश राजर्षि श्रीवास्तव ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर जिला न्यायालय के विभिन्न न्यायाधीशगण, न्यायिक अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। रक्तदान शिविर में न्यायाधीशगण, न्यायालयीन अधिकारी-कर्मचारी एवं अन्य उपस्थितजनों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए रक्तदान किया।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव सुनीत अग्रवाल ने रक्तदान के महत्व, इसके लाभ तथा रक्तदान से संबंधित विभिन्न योजनाओं एवं जनकल्याणकारी पहलुओं की जानकारी दी। कार्यक्रम में जिला विधिक सहायता अधिकारी, भोपाल मोहम्मद जीलानी, न्यायालयीन कर्मचारीगण, अधिवक्तागण, जिला बार एसोसिएशन के पदाधिकारी तथा अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

झांकियां देखने गया परिवार, ट्रक ड्राइवर ने किया सुसाइड, सुसाइड नोट नहीं मिला

भोपाल (आरएएनएस)। भोपाल में शुक्रवार रात नेहरू नगर में एक परिवार झांकियां देखकर घर लौटा तो घर का मंजर देखकर उसके होश उड़ गए। 37 वर्षीय ट्रक ड्राइवर राहुल सोनेरे फंदे पर लटका मिला। उसकी पत्नी तीनों बेटियों के साथ झांकियां देखने गई थी। घर लौटने पर राहुल को इस हालत में देखकर परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। कमला नगर थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को फंदे से उतारा और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। शनिवार को पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। राहुल ने यह कदम क्यों उठाया, फिलहाल इसका पता नहीं चल सका है। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। ऐसे में जांच का फोकस अब राहुल की पारिवारिक और व्यक्तिगत परिस्थितियों पर है। पुलिस परिजनों के विस्तृत बयान लेकर यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि हाल के दिनों में राहुल किसी तनाव या परेशानी में तो नहीं था। पुलिस के मुताबिक राहुल सोनेरी नेहरू नगर पेट्रोल पंप के पास बस्ती में पत्नी और तीन बेटियों के साथ रहता था। वह ट्रक चलाकर परिवार का भरण-पोषण करता था।

अगरिया छापर औद्योगिक क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण अधोसंरचना का समयबद्ध विकास सुनिश्चित करें : आयुक्त एमएसएमई श्री पुरुषोत्तम

नवीन औद्योगिक क्षेत्र से निवेश को मिलेगी गति, स्थानीय युवाओं के लिए सृजित होंगे रोजगार के अवसर आयुक्त एमएसएमई ने स्थल निरीक्षण कर विकास कार्यों की प्रगति एवं गुणवत्ता का लिया जायजा

भोपाल (आरएएनएस)। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम आयुक्त कुमार पुरुषोत्तम ने भोपाल जिले में विकसित किए जा रहे नवीन औद्योगिक क्षेत्र अगरिया छापर का स्थल निरीक्षण किया। उन्होंने औद्योगिक क्षेत्र में संचालित अधोसंरचना विकास कार्यों की भौतिक प्रगति, निर्माण गुणवत्ता और समयबद्धता की विस्तार से समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र, भोपाल तथा मध्यप्रदेश लघु उद्योग निगम के अधिकारियों ने आयुक्त श्री पुरुषोत्तम को निर्माणाधीन कार्यों, विकसित की जा रही नागरिक एवं तकनीकी सुविधाओं तथा आगामी कार्ययोजना की बिंदुवार जानकारी दी।

आयुक्त श्री पुरुषोत्तम ने निर्माण कार्यों का अवलोकन करते हुए निर्देश दिए कि औद्योगिक क्षेत्र का विकास निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण गुणवत्ता के साथ सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि भावी उद्यमियों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए बिजली, पानी, सड़क तथा अन्य आवश्यक मूलभूत सुविधाओं का विकास सर्वोच्च प्राथमिकता से किया जाए। सभी कार्यों में निर्धारित तकनीकी मापदंडों का कड़ाई से पालन करते हुए गुणवत्ता की नियमित निगरानी भी सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने कहा कि सुदृढ़ अधोसंरचना किसी भी औद्योगिक क्षेत्र के विकास का प्रमुख आधार है। अगरिया छापर में उद्यमियों को अनुकूल वातावरण एवं आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध होने से नवीन उद्योगों की स्थापना और पूंजी निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा। नवीन औद्योगिक क्षेत्र अगरिया छापर के पूर्ण रूप से विकसित होने से भोपाल संभाग के औद्योगिक परिदृश्य को नई गति मिलेगी। इससे क्षेत्र में नवीन निवेश का मार्ग प्रशस्त होने के साथ स्थानीय युवाओं के लिए प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

सफलता की कहानी- सीमित भूमि से निकली समृद्धि की राह : नर्सरी ने उषा रावत को बनाया आत्मनिर्भर

उद्यानिकी अपनाई तो सालाना कमाया 6 लाख रुपये का शुद्ध लाभ

ग्वालियर (ए.)। जहां सीमित जमीन अक्सर सपनों की सीमा तय कर देती है, वहीं उषा रावत ने सही प्रशिक्षण और मेहनत की बदौलत सीमित भूमि से समृद्धि की नई राह बनाई है। आधुनिक नर्सरी प्रबंधन अपनाकर उषा अब सालाना लगभग 6 लाख रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित कर रही हैं। ग्वालियर जिले के भितरवार विकासखंड के ग्राम निकोड़ी निवासी श्रीमती उषा रावत का परिवार पहले पूरी तरह खेती पर निर्भर था। खेती की कम भूमि के कारण घर का खर्च और बच्चों की पढ़ाई का बोझ उठाना कठिन था। हालात से हार मानने के बजाय उन्होंने बदलाव का रास्ता चुना। आत्मा योजना के अंतर्गत नर्सरी प्रबंधन का प्रशिक्षण लेकर उन्होंने बीज उपचार, सुनियोजित खेती की तैयारी, सही बुवाई, सिंचाई, पोषक तत्व प्रबंधन तथा कीट-रोग नियंत्रण की वैज्ञानिक विधियां सीखीं और सब्जियों, फूलों व अन्य उपयोगी पौधों की स्वस्थ पौध तैयार करना शुरू किया। गुणवत्ता ने जल्द ही रंग दिखाया। आसपास के किसानों का भरोसा बढ़ा, पौधों की मांग बढ़ी और यह नर्सरी उनके परिवार की आय का स्थायी स्रोत बन गई। लगभग 4 लाख रुपये की लागत लगाकर उन्होंने करीब 10 लाख रुपये की आय अर्जित की, यानि लगभग 6 लाख रुपये का शुद्ध लाभ कमाया है। इस आय ने उषा रावत के परिवार का भविष्य संवार दिया है। बड़ी बेटी बी.ए. के बाद एम.एस.डब्ल्यू. कर रही है, बेटा बी.ए. की पढ़ाई कर रहा है और छोटी बेटी कृषि विज्ञान के साथ कक्षा 12वीं में अध्ययनरत है। उषा आज परिवार की आर्थिक गतिविधियों और कृषि संबंधी निर्णयों में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। उनकी सफलता से प्रेरित होकर आसपास के किसान भी पौध उत्पादन और आधुनिक तकनीक अपना रहे हैं। उषा की सफलता "सेवा संकल्प अभियान" की भावना को भी साकार करती है। यह अभियान शासकीय योजनाओं का मार्गदर्शन गांव-गांव पहुंचाकर किसान परिवारों को आत्मनिर्भरता की राह दिखा रहा है। उषा रावत अपनी सफलता का श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को देती हैं।

उनका कहना है कि प्रधानमंत्री द्वारा किसानों की आय दोगुनी करने के लिये किए गए आह्वान से प्रेरित होकर हमने उद्यानिकी अर्थात नर्सरी प्रबंधन अपनाया है। सरकार से मिले प्रशिक्षण और तकनीकी मार्गदर्शन ने मुझे नर्सरी प्रबंधन सीखने और सफल होने में मदद की। इसके लिए मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करती हूं। मुझे भरोसा है कि हमारी नर्सरी अन्य किसानों, विशेषकर महिलाओं, को भी आधुनिक कृषि अपनाकर आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा देगी।

सेवा से संकल्प अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्य एवं रक्तदान शिविर आयोजित

बैतूल (ए.)। स्वास्थ्य विभाग द्वारा 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर 2026 तक आयोजित सेवा से संकल्प अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्य शिविर एवं रक्तदान शिविर आयोजित किये जा रहे हैं। इसी क्रम में शनिवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र आठनेर में स्वास्थ्य शिविर एवं रक्तदान शिविर का अयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ जिला पंचायत सदस्य श्रीमती अर्चना कृष्णा गायकी द्वारा किया गया। शिविर में कृष्णा गायकी ने संबोधित करते हुये कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी के सेवा से संकल्प अभियान में अनेक जनहितेशी योजनाओं को चलाकर लाभांवित किया जा रहा है। खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ सचिन आहतकर द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार शिविर में 228 पुरूष एवं 290 महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण कर उपचार किया गया एवं आयोजित रक्तदान शिविर में 24 यूनिट रक्तदान हुआ। शिविर में गोर्वधन राणे , विधायक प्रतिनिधि मनोज जगताप, नगर पालिका उपाध्यक्ष विनय जितपुरे, पार्षदगण, चिकित्सकगण एवं स्वास्थ्य अमला उपस्थित रहा।

NDRF की टीम ने ग्राम पंचायत सेमलियानसर में आपदा प्रबंधन एवं जीवन रक्षक तकनीकों का दिया प्रशिक्षण

उज्जैन (ए.)। 11वीं बटालियन राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (NDRF) की 11-रू टीम द्वारा ग्राम पंचायत सेमलिया नसर में Community Awareness -Programme (CAP) आयोजित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व SI/GD नीरज कुमार द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को NDRF की भूमिका एवं परिचय, भूकंप से बचाव एवं तैयारियां, सॉफ्ट टिश्यू इंजरी, रक्तस्राव नियंत्रण, इम्प्रोवाइज्ड स्ट्रेचर, CPR एवं FBAO, आपातकालीन एवं गैर-आपातकालीन निकासी तकनीक, सर्पदंश से बचाव तथा इम्प्रोवाइज्ड फ्लोटिंग डिवाइस के संबंध में व्यावहारिक प्रशिक्षण एवं महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। कार्यक्रम में NDRF टीम द्वारा आमजन को आपदा के समय संयम बनाए रखने, प्राथमिक उपचार एवं बचाव तकनीकों की जानकारी रखने तथा आपात स्थिति में सुरक्षित एवं त्वरित प्रतिक्रिया देने के लिए जागरूक किया गया।

कोटपा एक्ट के उल्लंघनकर्ताओं पर की चालानी कार्रवाई

बैतूल (ए)। राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के तहत 19 सितम्बर को जिला स्तरीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के लिए गठित दल द्वारा कारगिल चौक एवं बस स्टैंड स्थित पान ठेले एवं चाय की दुकानों का निरीक्षण किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज कुमार हुरमाडे ने बताया कि इस दौरान कोटपा एक्ट 2003 के अंतर्गत धूम्रपान एवं तंबाकू उत्पाद का सेवन करने वाले व्यक्तियों के ऊपर एवं तंबाकू उत्पाद बेचने वाले 5 दुकानदारों पर 900 रुपए की चालानी कार्यवाही की गई।

सपने देखे, परिकल्पना करें और विकसित भारत के निर्माण में विद्यार्थी अपना योगदान दे : विधायक श्री खडेलवाल

विधायक श्री खडेलवाल ने सांदीपनि बैतूल बाजार के विद्यार्थियों की कलात्मक चित्रकला का किया अवलोकन

बैतूल (ए.)। शासकीय सांदीपनि कृषि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बैतूल बाजार में शनिवार को सेवा संकल्प अभियान के तहत "मेरे सपनों का भारत" चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल , जिला विकास सलाहकार समिति सदस्य सुधाकर पवार, नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती दुर्गावती वर्मा, पार्षद राजेंद्र पवार, नीतू आशीष राठौर, पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष संजय वर्मा, नरेंद्र शुक्ला, सुनील पवार सहित जिला पंचायत सीईओ गणेश जायसवाल, सहायक आयुक्त जनजातिय कार्य विभाग श्रीमती वत्सला शिवहरे, जिला शिक्षा अधिकारी सुश्री पुनम वरकड़े, तहसीलदार श्रीमती पूनम साहू उपस्थित रही।

सर्वप्रथम मुख्य अतिथियों ने मां सरस्वती के छायाचित्र समक्ष दीप

प्रज्वलित और मां सरस्वती की वंदना कर कार्यक्रम की शुरुआत की। इस दौरान छात्रा परिधी राठौर ने गणेश नृत्य और रुद्र देशमुख ने एकल गायन की प्रस्तुति दी। वहीं त्रिवेणी रावंदे ने विकसित भारत की संकल्पना पर भाषण तथा कक्षा 10वीं की छात्राओं ने गोंडी लोकगीत की प्रस्तुति दी।

आने वाले समय में बच्चे ही करेंगे समाज और देश का नेतृत्व

विधायक श्री हेमंत खंडेलवाल ने "मेरे सपनों का भारत" चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता को संबोधित करते हुए कहा कि इन प्रतियोगिताओं का उद्देश्य चित्र बनाना या भाषण देना नहीं है, अपितु बच्चों को यह सोचने के लिए प्रेरित करना है कि वे भविष्य में अपने देश और समाज को किस रूप में देखना चाहते हैं। बच्चे अपनी कल्पना को चित्रों और विचारों के माध्यम से कागज पर उतारें। उन्होंने कहा कि आज के बच्चे ही आने वाले समय में समाज और देश का नेतृत्व करेंगे। आज से 20-30 वर्ष बाद जब आपके हाथों में समाज और देश की जिम्मेदारी होगी, तब भारत कैसा हो, इसकी परिकल्पना अभी से आपके मन में होनी चाहिए। हर बच्चे को अपने आप से पूछना चाहिए कि वह भविष्य में क्या बनना चाहता है। किसी का सपना डॉक्टर बनने का हो सकता है, किसी का इंजीनियर, वैज्ञानिक, शिक्षक, व्यवसायी या किसी अन्य क्षेत्र में जाने का। लेकिन सपने के साथ उसके लिए लक्ष्य और दिशा तय करना भी जरूरी है।

व्यापार समाचार

वॉरेन बफेट ने बर्कशायर हैथवे के अध्यक्ष पद से दिया इस्तीफा

-60 साल से अधिक समय तक संभाली कंपनी की कमान, अब अध्यक्ष एमेरिटस की भूमिका में रहेंगे

नई दिल्ली,(आरएनएस)। दुनिया के दिग्गज निवेशकों में शुमार वॉरेन बफेट ने बर्कशायर हैथवे के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है। कंपनी ने बताया कि बफेट को अब अध्यक्ष एमेरिटस बनाया गया है। हालांकि, वह कंपनी के निदेशक मंडल में बने रहेंगे और अपने लंबे अनुभव के आधार पर कंपनी को सलाह देते रहेंगे। बफेट ने छह दशक से अधिक समय तक बर्कशायर हैथवे का नेतृत्व किया। उनके कार्यकाल में कंपनी ने निवेश की दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाई और दुनिया भर के निवेशकों का भरोसा हासिल किया।

बफेट ने 1965 में बर्कशायर हैथवे के साथ काम शुरू किया था। इसके बाद 1970 में उन्होंने कंपनी के अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाली। उनके नेतृत्व में कंपनी ने विभिन्न क्षेत्रों की कंपनियों में निवेश कर अपना कारोबार लगातार बढ़ाया।

बफेट के नेतृत्व में बर्कशायर हैथवे के शेयर की कीमत में 55 लाख प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी हुई। कंपनी ने रेल, बीमा, मिठाई और आइसक्रीम सहित कई अलग-अलग क्षेत्रों के कारोबार में निवेश किया।

उनकी अगुवाई में बर्कशायर हैथवे एक लाख करोड़ डॉलर से अधिक मूल्य वाली कंपनी बनी। निवेश के क्षेत्र में बफेट की पहचान एक ऐसे निवेशक के रूप में बनी, जिन्होंने लंबे समय के निवेश और मजबूत कंपनियों में हिस्सेदारी को अपनी रणनीति का आधार बनाया।

बर्कशायर हैथवे ने बताया कि वॉरेन बफेट के बेटे हॉवर्ड जी. बफेट अब कंपनी के अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभालेंगे। इससे पहले करीब आठ महीने पहले वॉरेन बफेट ने कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पद से भी इस्तीफा दिया था। उनकी जगह ग्रेग एबेल को मुख्य कार्यकारी अधिकारी बनाया गया था।

अध्यक्ष पद से हटने के बाद भी बफेट कंपनी के निदेशक मंडल में बने रहेंगे। वह भविष्य में भी कंपनी के महत्वपूर्ण फैसलों पर अपनी राय और सलाह देते रहेंगे। इस तरह कंपनी से उनकी पूरी तरह विदाई नहीं हुई है और उनका अनुभव बर्कशायर हैथवे के लिए उपलब्ध रहेगा।

वॉरेन बफेट हाल तक निवेश से जुड़े फैसलों में सक्रिय रहे हैं। जुलाई में उन्होंने अल्फाबेट में निवेश शुरू किया और कहा कि पहले कंपनी में निवेश नहीं करना उनकी गलती थी। बर्कशायर हैथवे के निवेश पोर्टफोलियो में लंबे समय तक एप्पल की भी बड़ी हिस्सेदारी रही है।

बफेट की कुल संपत्ति 145 अरब डॉलर से अधिक बताई जाती है। भारतीय मुद्रा में यह करीब 13,900 अरब रुपये से अधिक बैठती है।

वॉरेन बफेट लंबे समय से परोपकार के लिए अपनी संपत्ति का बड़ा हिस्सा देने की प्रतिबद्धता जताते रहे हैं। उन्होंने गेट्स फाउंडेशन को करीब 50 अरब डॉलर दान किए हैं। इसके अलावा उन्होंने अपनी 99 प्रतिशत से अधिक संपत्ति परोपकारी कार्यों के लिए देने का वादा किया है।बर्कशायर हैथवे में बफेट के छह दशक से अधिक लंबे नेतृत्व का दौर अब औपचारिक रूप से समाप्त हो गया है। हालांकि, निदेशक मंडल में बने रहने के कारण कंपनी के महत्वपूर्ण मामलों में उनकी भूमिका और अनुभव आगे भी जारी रहने की उम्मीद है।

उच्चतम न्यायालय ने एनएसई-सेबी के को-लोकेशन विवाद में समझौते को दी मंजूरी

नई दिल्ली,(आरएनएस)। उच्चतम न्यायालय ने लंबे समय से चले आ रहे को-लोकेशन विवाद में नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया (एनएसई) और भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के बीच हुए समझौते को मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही प्रतिभूति अपील न्यायाधिकरण (एसएटी) के फैसले के खिलाफ सेबी की अपील का भी निपटारा हो गया। इस फैसले के साथ ही को-लोकेशन से जुड़े वर्षों पुराने कानूनी विवाद का अंत हो गया है।

यह समझौता सेबी द्वारा जुलाई में एनएसई के उस प्रस्ताव को स्वीकार किए जाने के बाद हुआ, जिसमें को-लोकेशन और उससे जुड़े डार्क फाइबर मामले के निपटारे के लिए कुल करीब 1,492 करोड़ रुपये के भुगतान की पेशकश की गई थी।

इस कुल राशि में से एनएसई ने को-लोकेशन सुविधा से जुड़े सेबी के लंबित मामले के निपटारे के लिए 1,224 करोड़ रुपये देने की पेशकश की थी।

मूडीज ने भारत की आर्थिक वृद्धि का अनुमान बढ़ाकर 7 प्रतिशत किया

वैश्विक तनाव के बीच अर्थव्यवस्था की मजबूती पर जताया भरोसा, कच्चे तेल और अल नीनो से महंगाई का खतरा

नई दिल्ली (आरएनएस)। वैश्विक रेटिंग एजेंसी मूडीज रेटिंग्स ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि का अनुमान छह प्रतिशत से बढ़ाकर सात प्रतिशत कर दिया है। एजेंसी ने कहा है कि मध्य पूर्व में जारी संघर्ष और वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था ने मजबूत लचीलापन दिखाया है। हालांकि, मूडीज ने भारत की 'बीएए3' रेटिंग और उसके स्थिर परिदृश्य में कोई बदलाव नहीं किया है।

मूडीज के मुताबिक, भारत की आर्थिक वृद्धि अन्य जी-20 देशों और समान रेटिंग वाले उभरते बाजारों की तुलना में अधिक रहने की संभावना है। हालांकि, ऊंची ऊर्जा कीमतें, सरकारी कर्ज और कम प्रति व्यक्ति आय अब भी देश की ऋण साख के लिए प्रमुख चुनौतियां बनी हुई हैं।

मूडीज ने चेतावनी दी है कि कच्चे तेल की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी से भारत में महंगाई का दबाव बढ़ सकता है। इसके अलावा अल नीनो की स्थिति खाद्य उत्पादन और आपूर्ति को प्रभावित कर सकती है, जिससे खाद्य वस्तुओं की कीमतें बढ़ने का जोखिम है। ऊंची खाद्य और ऊर्जा कीमतों का असर लोगों की खरीदारी और घरेलू मांग पर पड़ सकता है, जिसका प्रभाव आर्थिक वृद्धि पर भी दिखाई दे सकता है।

भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए बड़ी मात्रा में कच्चे तेल का आयात करता है। ऐसे में वैश्विक तेल कीमतों में तेज बढ़ोतरी का असर घरेलू ईंधन लागत, महंगाई और सरकार के वित्तीय बोझ पर पड़ सकता है।

मध्य पूर्व संघर्ष के असर को देखते हुए मूडीज ने भारत के सरकारी खर्च को लेकर भी चिंता जताई है। यदि ऊर्जा कीमतें लंबे समय तक ऊंची रहती हैं तो सरकार को सब्सिडी पर अधिक खर्च करना पड़ सकता है। इसके साथ ही जरूरतमंद लोगों और उद्योगों को अतिरिक्त सहायता देने का दबाव भी बढ़ सकता है।

रक्षा और बुनियादी ढांचे पर अधिक खर्च होने की स्थिति में सरकार के लिए राजकोषीय संतुलन बनाए रखना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। मूडीज के अनुसार, इससे राजकोषीय सुधारों की गति प्रभावित होने की संभावना है। एजेंसी ने भारत के ऊंचे सरकारी कर्ज और कमजोर ऋण वहन क्षमता को भी रेटिंग से जुड़ी प्रमुख चुनौतियों में शामिल किया है।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल-जून 2026 तिमाही में भारत की जीडीपी 7.8 प्रतिशत बढ़ी। इस दौरान निवेश और विनिर्माण गतिविधियों में मजबूती देखने को मिली। मजबूत निवेश और विनिर्माण गतिविधियों ने खनन क्षेत्र और उपभोक्ता सेवाओं में कमजोरी के प्रभाव को काफी हद तक कम किया।

रॉयटर्स के अनुसार, इस तिमाही में निजी क्षेत्र के पूंजी निवेश में भी तेजी रही और सकल स्थिर पूंजी निर्माण बढ़कर 34.3 प्रतिशत रहा। इससे भारतीय अर्थव्यवस्था में निवेश गतिविधियों की मजबूती का संकेत मिला।

मूडीज के आकलन के मुताबिक, महंगी ऊर्जा और कमजोर कृषि क्षेत्र आर्थिक वृद्धि के लिए जोखिम पैदा कर सकते हैं। इसके बावजूद तकनीक, वित्तीय सेवाओं, उद्योग और बुनियादी ढांचे में गतिविधियां भारतीय अर्थव्यवस्था को सहारा देती रहेंगी।

एजेंसी का मानना है कि घरेलू मांग, निवेश और सेवा क्षेत्र की मजबूती भारत की आर्थिक वृद्धि को आगे भी समर्थन दे सकती है।

कमजोर शेयर बाजार रिटर्न से म्युचुअल फंड कंपनियों की कमाई पर दबाव

-नई इक्विटी निवेश में बड़ी एएमसी कंपनियों की हिस्सेदारी घटी, आने वाले वर्षों में सुधार की उम्मीद

मुंबई,(आरएनएस)। शेयर बाजार में कमजोर रिटर्न का असर अब म्युचुअल फंड चलाने वाली कंपनियों पर भी दिखाई देने लगा है। पीएल कैपिटल की एक रिपोर्ट के मुताबिक, कमजोर शेयर बाजार रिटर्न के कारण शेयर बाजार में सूचीबद्ध परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियों (एएमसी) की नए इक्विटी निवेश में हिस्सेदारी प्रभावित हुई है। इसका असर वित्त वर्ष 2026-27 में इन कंपनियों की कमाई की रफ्तार पर भी पड़ सकता है।

हालांकि, ब्रोकरेज कंपनी का मानना है कि यह दबाव लंबे समय तक रहने की संभावना नहीं है। पीएल कैपिटल को आने वाले वर्षों में एएमसी कंपनियों की कमाई में सुधार की उम्मीद है। ब्रोकरेज ने एचडीएफसी एएमसी और आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एएमसी को इस क्षेत्र में अपनी पसंदीदा कंपनियों में शामिल किया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, प्रमुख म्युचुअल फंड कंपनियों की कई इक्विटी योजनाओं का प्रदर्शन कमजोर रहा है। इसके चलते नई रकम जुटाने के मामले में बड़ी कंपनियों का दबदबा कुछ कम हुआ है और निवेशकों की रकम अधिक संख्या में फंड कंपनियों के बीच बंट रही है।

नए फंड प्रस्ताव (एनएफओ) को छोड़कर देखें तो अप्रैल से जुलाई 2026 के बीच नए इक्विटी निवेश में शीर्ष तीन कंपनियों की हिस्सेदारी घटकर 34 प्रतिशत रह गई। वित्त वर्ष 2025-26 में यह हिस्सेदारी 42

प्रतिशत थी। इसी तरह शीर्ष 10 कंपनियों की हिस्सेदारी भी 73 प्रतिशत से घटकर 65 प्रतिशत रह गई। इसका मतलब है कि इक्विटी फंड में आने वाली नई रकम अब पहले की तुलना में अधिक कंपनियों में बंट रही है।

पीएल कैपिटल का अनुमान है कि वित्त वर्ष 2026-27 में सूचीबद्ध एएमसी कंपनियों का मुख्य कारोबार से होने वाला शुद्ध मुनाफा सालाना आधार पर करीब 10 प्रतिशत बढ़ सकता है।

म्युचुअल फंड उद्योग लगातार विस्तार कर रहा है। अगस्त 2026 के अंत में पूरे उद्योग की कुल प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियां करीब 87.1 लाख करोड़ रुपये रही थीं। हालांकि, मार्च 2025 के बाद बड़ी कंपनियों वाले प्रमुख शेयर बाजार सूचकांकों का प्रदर्शन अपेक्षाकृत कमजोर रहा है।

इस अवधि में निफ्टी-50 में करीब 0.8 प्रतिशत की गिरावट आई है। वहीं निफ्टी-100 में करीब दो प्रतिशत, बीएसई-200 में करीब 3.5 प्रतिशत और बीएसई-500 में करीब 6.5 प्रतिशत की बढ़त रही है। इसके मुकाबले मझोली और छोटी कंपनियों के शेयरों वाले सूचकांकों ने करीब 14 से 22 प्रतिशत तक रिटर्न दिया है।

म्युचुअल फंड की अलग-अलग श्रेणियों के प्रदर्शन में भी बड़ा अंतर देखने को मिला है। मार्च 2025 के बाद बड़ी कंपनियों पर केंद्रित फंड ने करीब सात प्रतिशत और लचीली पूंजी वाले फंड ने करीब 13 प्रतिशत रिटर्न दिया है।

इसके मुकाबले मझोली कंपनियों वाले फंड का रिटर्न करीब 25 प्रतिशत और छोटी कंपनियों वाले फंड का करीब 29 प्रतिशत रहा है। बहु-पूंजी वाले फंड ने करीब 17.9 प्रतिशत और बड़ी एवं मझोली कंपनियों वाले फंड ने करीब 17.5 प्रतिशत रिटर्न दिया है।

पीएल कैपिटल के मुताबिक, निवेशकों की रकम का रुख भी बदल रहा है। क्षेत्र और विषय आधारित फंडों के साथ बड़ी कंपनियों वाले फंड में निवेश का रुझान कम हुआ है। दूसरी ओर, लचीली पूंजी वाले, मझोली कंपनियों वाले, छोटी कंपनियों वाले और बहु-परिसंपत्ति फंडों की ओर निवेश बढ़ा है। रिपोर्ट के अनुसार, बेहतर प्रदर्शन करने वाली श्रेणियों की ओर निवेशकों का रुझान बढ़ने से बड़ी परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियों की नई निवेश जुटाने में हिस्सेदारी प्रभावित हुई है।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

लापरवाह रुख क्यों अपनाया?

तो सवाल उठेगा कि निर्वाचन आयोग ने आम जन और विपक्ष के मन से संदेह दूर करने का क्या प्रयास किया है? जब कभी ऐसे सवाल उठे, आयोग ने उनके प्रति लापरवाह रुख क्यों अपनाया?

कम-से-कम इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के मामले में निर्वाचन आयोग इससे अवगत है कि इनको लेकर आम लोगों के मन में कई सवाल हैं। यह बात खुद आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में कही है। मुद्दा ईवीएम वोटों की गिनती में 'टोटलाइजर' के इस्तेमाल का है। एक जन हित याचिका में इसके उपयोग का निर्देश देने की गुजारिश की गई है। टोटलाइजर मशीन पोलिंग बूथों की ईवीएम कंट्रोल इकाइयों को जोड़कर वोटों की समग्र गिनती कर देती है। यानी बूथों की अलग-अलग गिनती की जरूरत नहीं पड़ती। इस पर अपना पक्ष रखते हुए आयोग ने कहा- 'यह कहना प्रासंगिक होगा कि जिस समय ईवीएम की कार्य-पद्धति और साख पर बार-बार सार्वजनिक प्रश्न उठाए जा रहे हैं, टोटलाइजर जैसी नई और अब तक अविनियमित मशीन को जोड़ने से नए आरोप और नए विवाद खड़े हो सकते हैं।' तो सवाल उठेगा कि यह अहसास होने के बावजूद आयोग ने आम जन और विपक्ष के मन से संदेह दूर करने का क्या प्रयास किया है?

जब कभी ऐसे सवाल उठाए गए, आयोग ने उनके प्रति लापरवाही का इजहार क्यों किया? और बात सिर्फ ईवीएम की नहीं है। साख के उससे भी बड़े प्रश्न मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के क्रम में उठे हैं। महाराष्ट्र की जारी नई ड्राफ्ट सूची का उल्लेख करते हुए लोकसभा में विपक्ष के नेता ने पूछा है- 'अब महाराष्ट्र में 2.07 करोड़ मतदाताओं को ड्राफ्ट लिस्ट से बाहर कर दिया गया है- यानी हर पांचवां वोटर। लोकसभा 2024: 9.29 करोड़। विधानसभा 2024: 9.7 करोड़। एसआईआर 2026: 7.78 करोड़। कौन-सी लिस्ट सही थी?' राहुल गांधी ने जवाब दिया- 'मैंने तब भी कहा था, आज भी कहता हूं: यह वोट चोरी थी।' उन्होंने ध्यान दिलाया कि पश्चिम बंगाल में एसआईआर में जिन नामों को काटा गया, उनमें से 91 प्रतिशत नाम अपील के बाद वापस जोड़ने पड़े। बहरहाल, इस बीच विधानसभा चुनाव हो चुका था! यानी बात सिर्फ सवाल और संदेह की नहीं है। विपक्ष का सीधा आरोप वोट चोरी का है। क्या ये आयोग की जवाबदेही नहीं है कि उचित स्पष्टीकरण पेश कर वह सबका भरोसा हासिल करने के प्रयास करे?

नरेंद्र मोदी के जनसेवा के बेमिसाल 25 वर्ष : सत्ता की नहीं, सेवा की यात्रा

सेवा से सुशासन तक, झारखंड के विकास से विकसित भारत की अनवरत यात्रा

बाबूलाल मरांडी,

देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी 76 वर्ष के हो गए। यह तिथि दो मायनों में विशेष है। एक तो सृष्टि शिल्पकार भगवान विश्वकर्मा की जन्म जयंती का पावन अवसर और दूसरा नए भारत के शिल्पकार देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का जन्मदिन। भारतीय राजनीति के सार्वजनिक जीवन में कुछ व्यक्तित्व ऐसे होते हैं जिनका जीवनकाल केवल पद और सत्ता तक सीमित नहीं रहता बल्कि वह अपने ऐतिहासिक कार्यों से करोड़ों लोगों के जीवन को प्रभावित करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों की यात्रा इसी संकल्प, सेवा और राष्ट्र निर्माण की कहानी है। सार्वजनिक जीवन में किसी व्यक्ति की उपलब्धियों का इतना लंबा कालखंड सामान्य पड़ाव नहीं होता। यह उस विचार, कार्यशैली और नेतृत्व की परीक्षा का अवसर होता है, जिसने देश की राजनीति और शासन को प्रभावित किया हो। नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष इसी दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं।

7 अक्टूबर, 2001 को नरेंद्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। इसके बाद लगभग 13 वर्षों तक गुजरात का नेतृत्व और फिर 2014 से देश के प्रधानमंत्री के रूप में निरंतर सेवा। यह यात्रा केवल पदों की यात्रा नहीं है, बल्कि एक कार्यकर्ता से मुख्यमंत्री और मुख्यमंत्री से प्रधानमंत्री बनने तक सेवा को राजनीति का आधार बनाने की यात्रा है। प्रधानमंत्री के रूप में 25 वें वर्ष में प्रवेश करते हुए स्वयं नरेंद्र मोदी ने भी इसे देशवासियों के विश्वास और आशीर्वाद के प्रति कृतज्ञता का अवसर बताया था।

आज जब हम इस यात्रा को देखते हैं तो एक बात स्पष्ट दिखाई देती है कि मोदी के लिए विकास केवल आंकड़ों का विषय नहीं, बल्कि सामान्य नागरिक के जीवन में दिखाई देने वाला परिवर्तन है।

राजनीति का केंद्र बदला, प्राथमिकताएँ बदलीं

एक समय देश में सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना सबसे बड़ी चुनौती माना जाता था। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जनधन खातों से लेकर प्रत्यक्ष लाभ अंतरण तक, उज्ज्वला से लेकर स्वच्छ भारत तक, आयुष्मान भारत से लेकर जल जीवन मिशन तक, गरीबों के आवास से लेकर डिजिटल सेवाओं तक, सरकार ने योजनाओं की पहुँच को अंतिम छोर तक ले जाने का प्रयास किया। यह बदलाव

केवल योजनाओं की संख्या का नहीं है। असली बदलाव यह है कि गरीब, किसान, महिला, युवा और वंचित समाज विकास की चर्चा के केंद्र में आए। प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी ने सबका साथ, सबका विकास को शासन की राजनीतिक भाषा बनाया। आज इसी सोच का विस्तार विकसित भारत@ 2047 के संकल्प में दिखाई देता है।

झारखंड के लिए मोदी युग का अर्थ

झारखंड की राजनीति और समाज को समझने वाला व्यक्ति यह अच्छी तरह जानता है कि इस राज्य की सबसे बड़ी विडंबना क्या रही है। हमारे पास अपार खनिज संपदा है, जल-जंगल-जमीन है, मेहनतकश लोग हैं, समृद्ध जनजातीय संस्कृति है, लेकिन दशकों तक बुनियादी सुविधाओं और बड़े संस्थानों के मामले में झारखंड अपेक्षाकृत पीछे रहा। ऐसे में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के कार्यकाल में झारखंड में जिन बड़ी परियोजनाओं को गति मिली, उनका महत्व केवल किसी एक शहर या क्षेत्र तक सीमित नहीं है। वे राज्य की विकास-यात्रा की दिशा बदलने वाली परियोजनाएँ हैं। देवघर एम्स इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। केंद्र सरकार ने 2018 में देवघर में एम्स स्थापित करने की मंजूरी दी थी, जिसके लिए 1,103 करोड़ का प्रावधान किया गया था। प्रस्तावित संस्थान में 750 बेड का अस्पताल, मेडिकल कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज तथा सुपर-स्पेशियलिटी सुविधाओं का प्रावधान किया गया।

2022 में देवघर में एम्स की इन-पेशेंट और ऑपरेशन थिएटर सेवाओं की शुरुआत तथा विभिन्न विकास परियोजनाओं के उद्घाटन-शिलान्यास ने यह संदेश दिया कि झारखंड में भी देश के सर्वोच्च चिकित्सा संस्थानों की सुविधाएँ उपलब्ध हो सकती हैं। उसी अवसर पर देवघर में 16,800 करोड़ रुपए से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास हुआ।

देवघर एयरपोर्ट : बाबा धाम से विकास की नई उड़ान

देवघर एयरपोर्ट केवल एक हवाई अड्डा नहीं है। यह झारखंड की धार्मिक पर्यटन क्षमता, व्यापार, रोजगार और क्षेत्रीय कनेक्टिविटी के लिए एक नया द्वार है। 12 जुलाई 2022 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देवघर एयरपोर्ट का उद्घाटन किया। लगभग 400 करोड़ की लागत से विकसित इस एयरपोर्ट में DRDO की ओर से 200 करोड़ का अनुदान भी शामिल था। इसके बाद दिल्ली-देवघर सीधी हवाई सेवा शुरू हुई। केंद्र सरकार ने उस समय यह भी बताया था कि झारखंड में अन्य हवाई संपर्कों के विस्तार पर काम किया जा रहा है।

इसका अर्थ केवल इतना नहीं कि अब लोग विमान से देवघर पहुँच सकते हैं। इसका अर्थ है कि बाबा बैद्यनाथ धाम की अर्थव्यवस्था, होटल उद्योग, स्थानीय व्यापार, पर्यटन और रोजगार के लिए नए अवसरों का दरवाजा खुला है।

बिरसा मुंडा को झारखंड से निकालकर राष्ट्रीय चेतना का नायक बनाना

झारखंड की आत्मा को समझना हो तो भगवान बिरसा मुंडा को समझना होगा। वे केवल एक जनजातीय नायक नहीं, बल्कि स्वाभिमान, संघर्ष और स्वतंत्रता के प्रतीक हैं। नरेंद्र मोदी सरकार ने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया। 15 नवंबर 2021 को रांची में भगवान बिरसा मुंडा स्मृति उद्यान सह स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय का उद्घाटन भी हुआ।इस निर्णय का राजनीतिक और सांस्कृतिक महत्व बहुत बड़ा है। जिस राज्य में बिरसा मुंडा ने अंग्रेजी सत्ता को चुनौती दी, उसी राज्य से उनकी स्मृति को राष्ट्रीय गौरव के रूप में स्थापित करना यह बताता है कि भारत का इतिहास केवल कुछ चुनिंदा अध्यायों का इतिहास नहीं है। जनजातीय समाज के संघर्ष, बलिदान और योगदान भी भारतीय राष्ट्र की निर्माण गाथा के अभिन्न हिस्से हैं। यही कारण है कि जनजातीय गौरव दिवस केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि इतिहास के पुनर्पाठ और जनजातीय अस्मिता को सम्मान देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

कौशल, रोजगार, स्टार्टअप और आधुनिक शिक्षा पर सरकार का जोर, 18 हजार से अधिक युवाओं को मिला प्रशिक्षण

धनंजय राठौर,

युवाओं को विकास के केंद्र में रखते हुए छत्तीसगढ़ की विष्णु देव साय की सरकार कौशल विकास, रोजगार, उच्च शिक्षा, उद्यमिता और खेल क्षेत्र में अवसरों का विस्तार कर रही है। पिछले करीब तीन वर्षों में जब से मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सत्ता संभाली है, युवाओं को सक्षम, रोजगारपरक और आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई योजनाएं और पहल शुरू की हैं। इन प्रयासों का उद्देश्य शिक्षा और प्रशिक्षण को रोजगार से जोड़ते हुए राज्य की युवा आबादी को विकास की नई ताकत में बदलना है। लक्ष्य केवल युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि उन्हें कुशल, आत्मनिर्भर, नवाचारी और भविष्य की अर्थव्यवस्था के लिए तैयार मानव संसाधन के रूप में विकसित करना है।

18 हज़ार 330 युवाओं को प्रशिक्षित किया जा चुका है

प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत राज्य के 26 जिलों में करीब 18 हज़ार 330 युवाओं को प्रशिक्षित किया जा चुका है। इस पर लगभग 29 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। वहीं, 35 हजार और युवाओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा। राज्य सरकार ने युवाओं के कौशल विकास के लिए 75 करोड़ रुपये का प्रावधान भी किया है, ताकि प्रशिक्षण को उद्योगों और बाजार की बदलती जरूरतों के अनुसार बनाया जा सके।

युवा को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल, अवसर और पारदर्शी व्यवस्था

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा, युवा छत्तीसगढ़ की सबसे बड़ी ताकत और भविष्य की उम्मीद हैं। हमारा प्रयास है कि हर युवा को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल, अवसर और पारदर्शी व्यवस्था उपलब्ध हो। युवा सशक्तीकरण विकसित छत्तीसगढ़ के हमारे विजन का केंद्र है, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प के अनुरूप है।

पारदर्शी भर्ती पर फोकस

युवा केंद्रित एजेंडे में रोजगार के साथ सरकारी भर्ती व्यवस्था में पारदर्शिता को भी प्राथमिकता दी गई है। राज्य में करीब 9 हजार रिक्त सरकारी पदों पर सीधी भर्ती की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है। इसके अलावा क्लास-3 और क्लास-4 के पदों पर भर्ती को एकीकृत, पारदर्शी और समयबद्ध बनाने के लिए नए छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मंडल का गठन किया गया है।

एक दिन सब छूट जाना है – उन्होंने पहले ही छोड़ दिया

[जिस देह ने जीवन जिया, वही कल किसी को जीवन सिखाएगी]
[जीवनभर न्याय दिया, अंत में खुद को भी समाज के नाम कर दिया]

प्रो. आरके जैन अरिजीत

सेवानिवृत्ति सामान्यत: वह घड़ी है, जब आदमी अपनी उपलब्धियों का हिसाब करता है और आगे के जीवन की सुविधाओं की चिंता करता है। लेकिन न्यायमूर्ति अवनीन्द्र कुमार सिंह की विदाई ने इस अर्थ को उलट दिया। 36 वर्षों की न्यायिक सेवा के बाद जब वे मध्य प्रदेश हाई कोर्ट से विदा हुए, तब उनके साथ उपलब्धियों की सूची नहीं, समाज के नाम दो संकल्प थे—जीवन में अर्जित जीपीएफ की लगभग एक करोड़ एक लाख रुपये की राशि प्रधानमंत्री केयर्स फंड को देने का निर्णय और मृत्यु के बाद अपनी देह चिकित्सा शिक्षा को समर्पित करने का संकल्प। फुल कोर्ट फेयरवेल में उनका कहना—अपने लिए जिए तो क्या जिए—विदाई का वाक्य नहीं, जीवन की कसौटी बन गया।

इस प्रसंग की असली ताकत रकम के आकार में नहीं, उस मानसिकता में है जिसने रकम को 'अपना' मानने के बजाय 'समाज का' मान लिया। एक करोड़ एक लाख रुपये वर्षों की कमाई और भविष्य की सुरक्षा का आधार हो सकते हैं। लेकिन सिंह ने उस धन को निजी उपलब्धि मानने के बजाय सार्वजनिक उपयोग में लगाने का संकल्प लिया। यह फर्क छोटा दिखता है, पर यहीं व्यक्ति और नागरिक के बीच की दूरी मिटती है। धन का संचय मनुष्य को सुरक्षित कर सकता है, मगर उसका सार्थक उपयोग किसी दूसरे जीवन को संभाल सकता है। यहीं दान आर्थिक व्यवहार से आगे बढ़कर सामाजिक उत्तरदायित्व का वक्तव्य बन जाता है।मनुष्य मृत्यु के बाद क्या छोड़ जाता है—यही प्रश्न इस संकल्प को असाधारण बनाता है। न्यायमूर्ति सिंह और उनकी पत्नी इंदिरा ने जबलपुर के सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज में देहदान का पंजीकरण कराकर अपनी देह को समाज की धरोहर बना दिया। मृत्यु के बाद यही शरीर चिकित्सा विद्यार्थियों के अध्ययन का माध्यम बनेगा, जो आगे अनेक जीवन बचाने वाले चिकित्सक तैयार करेंगे। हम जीवनभर जिस देह को अपनी पहचान मानते हैं, वह अंतत: किसी और के ज्ञान और जीवन की राह रोशन कर सकती है। जीवन की कमाई आज किसी पीड़ित के काम आएगी, तो देहदान कल चिकित्सा-विज्ञान के। एक संकल्प वर्तमान को सहारा देगा, दूसरा भविष्य को दिशा। यही इस दान की सबसे मार्मिक सार्थकता है। इस कहानी में पत्नी इंदिरा की भूमिका केवल पारिवारिक प्रसंग नहीं है। न्यायमूर्ति सिंह ने बताया कि समाज के लिए कुछ करने की प्रेरणा उनकी पत्नी की इच्छा से आई और उन्होंने उसका सम्मान किया। उन्होंने अपने अंदाज में कहा कि पूरे कार्यकाल में पत्नी की बात मानी और अब समाज के लिए देहदान की उनकी बात भी मानी जाएगी। इस हल्के हास्य में दांपत्य का गंभीर सत्य छिपा है—बड़ा सामाजिक निर्णय अक्सर अकेले व्यक्ति का नहीं होता, परिवार की चेतना उसका आधार बनती है। जब पति-पत्नी दोनों मृत्यु के बाद भी अपनी देह समाज के लिए उपयोगी बनाने पर सहमत हों, तो सेवा प्रदर्शन नहीं, साझा जीवन-दृष्टि बन जाती है। न्यायमूर्ति सिंह की न्यायिक यात्रा देखें तो यह संकल्प उनके सार्वजनिक जीवन से अलग अचानक उगा विचार नहीं लगता। उन्होंने 31 मई 1990 को सिविल जज के रूप में सेवा शुरू की और 1 मई 2023 को मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। करीब तीन वर्ष के हाई कोर्ट कार्यकाल में 8788 मामलों के निपटारे का आंकड़ा सामने आया। लेकिन किसी न्यायाधीश के जीवन को केवल मामलों की संख्या से नहीं समझा जा सकता—फेयरवेल में मुख्य न्यायाधीश ने भी फैसलों की गुणवत्ता को महत्त्वपूर्ण बताया। यही इस प्रसंग को अर्थ देता है— अदालत में न्याय करना उनका संवैधानिक दायित्व था; सेवानिवृत्ति पर समाज के लिए कुछ छोड़ जाना उनका स्वैच्छिक मानवीय निर्णय।

आज इस प्रसंग को केवल 'प्रेरणादायक कहानी' कहकर आगे बढ़ जाना इसके सामाजिक अर्थ को छोटा करना होगा। भारत में देहदान और अंगदान के प्रति जागरूकता की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जाती रही है। ऐसे सार्वजनिक संकल्प इस विषय को निजी संकोच से निकालकर सामाजिक संवाद में ला सकते हैं। बड़ी राशि का सार्वजनिक हित में दान यह सवाल भी उठाता है कि हमारी कमाई का कितना हिस्सा सुविधाओं तक सीमित है और कितना समाज तक पहुँचता है। न्यायमूर्ति सिंह ने कोई उपदेश नहीं दिया; अपने संसाधनों को समाज के लिए समर्पित करने का निर्णय लिया। शायद इसलिए उनका संदेश भाषण से अधिक प्रभावशाली है—क्योंकि यहाँ शब्दों से पहले उदाहरण खड़ा है।

दरअसल, अपने लिए जिए तो क्या जिए का अर्थ यह नहीं कि मनुष्य अपने या परिवार के लिए जीना छोड़ दे। समाज भी परिवारों से बनता है और व्यक्तिगत सुरक्षा जीवन की आवश्यकता है। इस वाक्य का गहरा अर्थ है कि जीवन की अंतिम उपलब्धि केवल यह न हो कि हमने अपने लिए कितना बचाया। पद समाप्त होता है, वेतन रुकता है, कार्यालय छूटता है, नामपट्टिका उतर जाती है; तब बचता है, जो हम पीछे छोड़ जाते हैं। न्यायमूर्ति सिंह की विदाई इसलिए अलग है कि उन्होंने रिटायरमेंट को उपभोग की शुरुआत नहीं, उपयोगिता का विस्तार बनाया। पद से मुक्ति के क्षण को उन्होंने समाज से अपने रिश्ते की पुनर्पुष्टि में बदल दिया।मनुष्य की असली पहचान उसके पास बची चीजों से नहीं, उसके जाने के बाद बची उपयोगिता से होती है। न्यायमूर्ति सिंह की विदाई इसी सत्य को रेखांकित करती है। न्याय की कुर्सी पर उन्होंने कानून का दायित्व निभाया और विदा होते अपनी कमाई तथा देह समाज को दे दी। एक करोड़ एक लाख रुपये जरूरतमंदों के सहारा बनेंगे, देह भावी चिकित्सकों के ज्ञान का आधार बनेगी और यह संकल्प सवाल छोड़ेगा—जीवन मिला तो हमने अपने लिए कितना रखा और दूसरों के लिए क्या छोड़ा? विदाई की सार्थकता यही है कि व्यक्ति चला जाए, पर उसकी उपयोगिता बनी रहे।

मेष राशि: मेष राशि वालों आज आपका दिन महत्वपूर्ण कार्यों को पूरा करने में बीतेगा। आज आपके पारिवारिक जीवन में सौहार्द की वृद्धि होगी। साथ ही आज आपको बड़ी जिम्मेदारी का निर्वहन भी करना पड़ सकता है। आज धन लाभ के कई मौके आपके हाथ लगेंगे, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति में मजबूती आयेगी।

वृष राशि: वृष राशि वालों आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। आज किसी रिश्तेदार को दिए रुपए आपको वापस मिलेंगे और आप सोंचे हुए कार्यों में उनका इस्तेमाल कर सकते हैं। आज आपको मीडिया क्षेत्र में अच्छा लाभ मिलने के साथ ही बड़े अवसर भी प्राप्त होंगे।

मिथुन राशि: मिथुन राशि वालों आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। आज आपको व्यापार में अच्छा धन लाभ होगा और आपके क्लाइंट के साथ रिश्ते मजबूत होंगे। आज आपका दाम्पत्य जीवन खुशहाल रहेगा तथा आज आपको संतान पक्ष से खुशखबरी प्राप्त हो सकती है। आज आप किसी स्वास्थ्य संबंधी समस्या को लेकर अच्छे डॉक्टर से संपर्क करेंगे, जिससे उपचार बेहतर ढंग से हो।

कर्क राशि: कर्क राशि वालों आज आपका दिन मिला-जुला रहने वाला है। इस राशि के विद्यार्थियों को अपनी मेहनत के अनुरूप बेहतर परिणाम हासिल होंगे। आज आपके दांपत्य जीवन में खुशी का माहौल बनेगा। साथ ही धार्मिक कार्यों में आज आप बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेंगे।

सिंह राशि: सिंह राशि वालों आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आज आपको कार्य क्षेत्र में सफलता मिलेगी, रुकावट भरे कार्य पूरे होंगे। साथ ही आपके दांपत्य जीवन में आपसी ताल-मेल बढ़ेगा। आज किसी कार्य में घरवाले आपकी तारीफ करेंगे और आपकी पढ़ाई में रुचि बढ़ेगी।

कन्या राशि: कन्या राशि वालों आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज आप सामाजिक कार्यों में व्यस्त रहेंगे, जिससे आपकी जान-पहचान बड़े व्यक्तियों से होगी। आज इस राशि के फैशन डिजाइनर्स का दिन बेहतर रहेगा, आपको ऑनलाइन माध्यम से बड़ा ऑर्डर मिल सकता है। आज दांपत्य जीवन में मधुरता बढ़ेगी।

तुला राशि: तुला राशि वालों आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आज आपको अपने खानपान का खास ख्याल रखना चाहिए। आज आपकी आय में बढ़ोतरी होगी और आपकी सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। इस राशि के विद्यार्थी आज अपनी पढ़ाई पर ध्यान देंगे, जल्द ही आपको सिलेक्शन मिलेगा।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि वालों आज आपका दिन खुशहाल रहने वाला है। आज आपके पराक्रम में वृद्धि होगी। आज किसी कार्य में आपके प्रयत्न सफल रहेंगे, मन प्रसन्न रहेगा। इस राशि के जो अविवाहित हैं उनके विवाह के लिए जल्द ही अच्छे रिश्ते आयेंगे। आज दोस्त आपका मनोबल बढ़ाएंगे, उनसे अपने मन की बात शेयर करेंगे।

धनु राशि: धनु राशि वालों आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आज पारिवारिक रिश्ते में अच्छा ताल-मेल बना रहेगा। साथ ही आज आपका आर्थिक पक्ष पहले से मजबूत बनेगा। आज आप अपने किसी क्लाइंट से वीडियो कॉल करके मीटिंग करेंगे, जिससे आपको बेहतर सुझाव मिलेंगे।

मकर राशि: मकर राशि वालों आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आज किसी करीबी के साथ आपकी गलतफहमी दूर होगी और आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज आपका मन अध्यात्म में थोड़ा ज्यादा लगेगा, आप पास के ही मंदिर में कुछ वक्त गुजारेंगे जिससे मन शांत होगा।

कुम्भ राशि: कुम्भ राशि वालों आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आज आपको घर के बड़ों से आगे बढ़ने की राय मिलेगी, जो आपके बहुत काम आयेगी। आज इस राशि के लेखकों की बुक पब्लिश होगी, जिसके लिए उसको अवॉर्ड भी मिलेगा।

मीन राशि:मीन राशि वालों आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आज किसी खास मेहमान के स्वागत सत्कार में आप व्यस्त रहेंगे और परिवार में खुशी का माहौल रहेगा।

राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं एवं जातिगत संघर्ष आर्थिक विपन्नता का बड़ा कारण।

संजीव ठाकुर

आजादी के बाद से भारत के समक्ष कई सामाजिक आर्थिक समस्याएं आई है। अक्सर सामाजिक क्षेत्र में समस्याओं ने अर्थव्यवस्था की उत्तरोत्तर प्रगति पर अवरोध आते रहें हैंद्य देश की सामाजिक विषमताओं ने समाज में कई समस्याओं को जन्म दिया है एवं आर्थिक प्रगति पर विभिन्न सोपानों में लगाम लगाई है। भारतीय समाज में विषमता एवं विविधता भारत के लिए एक बड़ी समस्या बनकर सामने खड़ी हो सकती है। स्वतंत्रता के पूर्व तथा स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भारतीय समाज में विषमताएं भारत के लिए चुनौती बनकर वर्तमान में कई बाधाएं उत्पन्न कर रही हैं। आज जातिगत संघर्ष बढ़ गए हैं,जातिगत संघर्षों को राजनीतिक महत्वाकांक्षा ने बहुत क्लिष्ट बना दिया है। राजनीति सदैव महत्वाकांक्षा के बल पर जातिगत समीकरण को नए-नए रूप तथा आयाम देती आई है और समाज में वर्ग विभेद,आर्थिक विभेद कर के अपना उल्लू सीधा करना मुख्य ध्येय बन चुका है। उच्च वर्ग तथा निम्न वर्ग सदैव सत्ता के संघर्ष के लिए न सिर्फ एक दूसरे का परस्पर विरोध करते है बल्कि शासन प्रशासन के विरोध में भी सदैव खड़े पाए गए हैं। सत्ता पाने की लालसा में जातीय संघर्ष, नक्सलवाद तेजी से समाज में पनपता जा रहा है। भारतीय परिपेक्ष में आज सिर्फ जाती ही नहीं धार्मिक महत्वाकांक्षा देश के समाज के समक्ष चुनौती बन गया है। भारत में हिंदू,मुस्लिम जाति संघर्ष ऐतिहासिक तौर पर अपनी जड़ें जमां चुका है, वर्तमान में मंदिर और मस्जिद के झगड़े देश में अशांत माहौल पैदा करने का एक बड़ा सबब बन चुके है और यही वर्ग विभेद संघर्ष भारतीय आर्थिक विकास के बीच एक बड़ा अवरोध बनकर खड़ा है। पश्चिमी विद्वान भी कहते हैं कि भारत के राष्ट्र के रूप में विकसित होने में जाति एवं धर्म ही सबसे बड़ी बाधाएं हैं जिन्हें दूर करना सर्वाधिक कठिन कार्य है क्योंकि इसकी जड़ें भारत के स्वतंत्रता के पूर्व से देश में गहराई लिए हुए हैं। जातीय वर्ग संघर्ष और भाषाई विवाद ऐसा मुद्दा रहा है जिससे लगभग एक शताब्दी तक भारत आक्रांत रहा है। आजादी के बाद से ही भाषा विवाद को लेकर कई आंदोलन हुए खासकर दक्षिण भारत राज्यों द्वारा हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाए जाने एवं देश पर हिंदी थोपे जाने के विरोध में विरोध प्रदर्शनों को प्रोत्साहित किया गया। आज भी विभिन्न राज्यों में भाषाई विवाद एक ज्वलंत एवं संवेदनशील मुद्दा बना हुआ है, चाहे वह बंगाल हो, तमिलनाडु हो, आंध्र प्रदेश हो, उड़ीसा और महाराष्ट्र में भी भाषाई विवाद अलग-अलग स्तर पर सतह पर पाए गए हैं। समान सिविल संहिता को लेकर बहुसंख्यक संविधान में आक्रोश है दूसरी तरफ अल्पसंख्यक समुदाय इसलिए डरा हुआ है कि कहीं उसकी अपनी अस्मिता एवं पहचान अस्तित्व हीन ना हो जाए। स्वतंत्रता के बाद से यह विकास की मूल धारणा थी कि पंचवर्षीय योजनाओं में वर्ग विहीन समाज में लोकतांत्रिक एवं धर्मनिरपेक्ष तरीके से समाज का आर्थिक विकास तथा रोजगार के साधन उपलब्ध हो सकेंगे। पर स्वतंत्रता के 79 साल के बाद भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में वर्ग विभेद भाषाई विवाद ने अभी भी आर्थिक विकास में कई बाधाएं उत्पन्न की है। संविधान में सदैव सकारात्मक वर्ग विभेद एवं विकास की अवधारणा को प्रमुखता से शामिल किया गया था और पंचवर्षीय योजनाओं में भी विकास को वर्ग विभेद से अलग रखकर विकास की अवधारणा को बलवती बनाया गया है।

सामाजिक आर्थिक तथा धार्मिक विविधता वाले समाज को विवादों से परे रख आर्थिक विकास की परिकल्पना एक कठिन और दुष्कर अभियान जरूर है पर असंभव नहीं है। और इसी की परिकल्पना को लेकर आजादी के पश्चात से पंचवर्षीय योजनाओं का प्रादुर्भाव सरकार ने समय-समय पर लागू किया है। विकास की अवधारणा में राष्ट्र की मुख्य धारा में समाज के पिछड़े वर्ग को शामिल कर उन्हें सम्मुख लाना होगा। यदि देश के पिछड़ा वर्ग और गरीब तबका विकास की मुख्यधारा से जुड़ता है तो गरीबी, भुखमरी, नक्सलवाद जैसे संकट अस्तित्व हीन हो जाएंगे और ऐसी समस्या धीरे धीरे खत्म होती जाएगी। आवश्यकता यह है कि हमें राष्ट्रवाद को सर्वोपरि मानकर इस पर अमल करना होगा। फिर चाहे वह सांस्कृतिक राष्ट्रवाद हो या समावेशी राष्ट्रवाद हो।

समाज की मुख्यधारा में राष्ट्रवाद को एक प्रमुख अस्त्र बनाकर देश की प्रगति में इसका इस्तेमाल किया जाना चाहिए। भारत में आजादी के 79 वर्ष बाद भी ब्रिटिश हुकूमत की तरह गरीबी, भूखमरी, बेरोजगारी, नक्सलवाद, आतंकवाद, सांप्रदायिकता,भाषावाद एवं क्षेत्रीय विघटनकारी प्रवृत्तियां सर उठाये घूम रही हैं, हम इन पर अभी तक प्रभावी नियंत्रण नहीं लगा पाए हैं। हमें इन सब विसंगतियों से ऊपर उठकर राष्ट्रीय नागरिकता एवं भारत राष्ट्र की विकास की अवधारणा को राष्ट्रवाद से जोड़कर आर्थिक विकास को एक नया आयाम देना होगा,तब जाकर भारत वैश्विक स्तर पर आर्थिक रूप से मजबूत एवं आत्मनिर्भर बन सकेगा।

K K

राष्ट्रीय समाचार

रविवार,20 सितम्बर 2026, नर्मदापुरम् (होशंगाबाद)

दैनिक क्षितिज किरण 5

सब्जी बनाने को लेकर पति-पत्नी में विवाद, नशे में धुत पति ने पत्नी को गोली मारी; मौत

नई दिल्ली (आरएनएस)। राजधानी दिल्ली के तिगड़ी थाना क्षेत्र में शुक्रवार शाम घरेलू विवाद के दौरान एक पति ने कथित तौर पर अपनी पत्नी की गोली मारकर हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि सब्जी बनाने को लेकर पति-पत्नी के बीच कहासुनी हुई थी। इसी दौरान आरोपी पति ने देसी कट्टे से पत्नी पर गोली चला दी। गोली लगने से महिला की मौके पर ही मौत हो गई।

घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। वारदात के बाद आरोपी ने कथित तौर पर पड़ोसियों को गुमराह करने की कोशिश की और हत्या में शामिल होने से इनकार किया। हालांकि, पड़ोसियों को उसकी बात पर भरोसा नहीं हुआ और उन्होंने उसे पकड़ लिया। इसके बाद आरोपी को पुलिस के हवाले कर दिया गया।

मृतका की पहचान पूनम के रूप में हुई है, जबकि आरोपी पति की पहचान कमलेश के तौर पर हुई है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी करीब छह महीने पहले ही अपनी पत्नी के साथ तिगड़ी इलाके में रहने आया था।पुलिस को शुक्रवार शाम फायरिंग की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही तिगड़ी थाना पुलिस मौके पर पहुंची, जहां महिला घायल अवस्था में मिली। जांच के दौरान पुलिस ने उसे मृत पाया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।पुलिस ने आरोपी कमलेश को गिरफ्तार कर लिया है। उसके कब्जे से वारदात में इस्तेमाल किया गया देसी कट्टा भी बरामद किया गया है। प्रारंभिक जांच में पुलिस को पता चला है कि घटना के समय आरोपी कथित तौर पर नशे में था। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है और हत्या के पीछे की पूरी वजह तथा घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच की जा रही है।

गणेश विसर्जन से लौट रहे परिवार की कार का भीषण हादसा, 4 की मौत; चालक गंभीर

हैदराबाद (आरएनएस)। तेलंगाना के हैदराबाद के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर हुए भीषण सड़क हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कार चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा शमशाबाद थाना क्षेत्र के पालमकुला गांव के बाहरी इलाके में हुआ।

शमशाबाद पुलिस के मुताबिक, एक इनोवा कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में कार सवार चार लोगों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। मृतकों की पहचान 54 वर्षीय व्यवसायी केथावथ लिंब्या, उनकी 45 वर्षीय पत्नी केथावथ जमुना, 48 वर्षीय व्यवसायी कट्रावथ मानसिंह और लिंब्या के 45 वर्षीय बेटे केथावथ वाश्राम के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार, सभी लोग महबूबनगर स्थित अपने पैतृक गांव मेत्तुगुड्डा थंडा गए थे। वहां उन्होंने गणेश विसर्जन से जुड़े कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। विसर्जन के बाद सभी लोग चार पहिया वाहन से शमशाबाद की ओर लौट रहे थे। इसी दौरान एनएच-44 पर उनकी कार हादसे का शिकार हो गई।

हादसे में कार चालक सबावथ अशोक को गंभीर चोटें आई हैं। उसे तत्काल इलाज के लिए शमशाबाद के निजी ट्राइडेंट अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

पति के लोन पर विधवा से वसूली गैर-कानूनी, HC ने SBI को लगाई फटकार; ब्याज सहित 19.90 लाख लौटाने का आदेश

लखनऊ (आरएनएस)। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने बैंकिंग रिकवरी नियमों को लेकर एक बेहद नजीर पेश करने वाला और महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। अदालत ने साफ लफ्जों में व्यवस्था दी है कि पति द्वारा लिए गए व्यक्तिगत ऋण (Personal Loan) की भरपाई के लिए उसकी पत्नी या विधवा को कतई उत्तरदायी नहीं ठहराया जा सकता। अदालत ने देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (SBI) की मनमानी कार्रवाई को बैंकिंग नियमों का खुला और घृणास्पद उल्लंघन बताते हुए कड़ी फटकार लगाई है। साथ ही बैंक को निर्देश दिया है कि महिला की फिक्स्ड डिपॉजिट (FD) से काटी गई पूरी रकम ब्याज सहित तुरंत वापस की जाए।

पति की मौत के बाद बैंक ने फ्रीज किया था सैलरी अकाउंट

यह मामला लखनऊ की रहने वाली नेहा मिश्रा से जुड़ा हुआ है। उनके पति रिंग रोड स्थित एक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत थे। उन्होंने नवंबर 2020 में एसबीआई से 15 लाख रुपये का पर्सनल लोन लिया था। दुर्भाग्यवश, मई 2021 में कोरोना संक्रमण (कोविड-19) की वजह से उनका असामयिक निधन हो गया। पति की मौत के बाद बैंक ने बकाया राशि वसूलने का दबाव महिला पर बनाना शुरू कर दिया। बैंक ने सितंबर 2025 में विधवा को कानूनी नोटिस थमाते हुए उनका सैलरी अकाउंट फ्रीज कर दिया, जिसे बाद में आरबीआई लोकपाल के सख्त दखल के बाद ही चालू किया जा सका था।

बैंक ने मनमाने तरीके से तोड़ दी थी 19.90 लाख की FD

सैलरी अकाउंट का विवाद शांत होने के बाद भी बैंक का उत्पीड़न नहीं थमा। बैंक ने मनमाने तरीके से महिला के नाम मौजूद फिक्स्ड डिपॉजिट (FD) को समय से पहले तुड़वा दिया और उसमें से 19.90 लाख रुपये की भारी-भरकम राशि लोन वसूली के नाम पर सीधे काट ली। बैंक की इस गैर-कानूनी कार्रवाई और आर्थिक उत्पीड़न के खिलाफ पीड़िता ने अंततः इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ का दरवाजा खटखटाया।

हाईकोर्ट ने कहा- बैंक की कार्रवाई नियमों का घृणास्पद उल्लंघन

मामले की सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति शेखर बी. सर्राफ और न्यायमूर्ति अवधेश कुमार चौधरी की खंडपीठ ने एसबीआई की कार्यप्रणाली पर गहरा आक्रोश जताया। अदालत ने दो टूक कहा कि व्यक्तिगत ऋण पूरी तरह असुरक्षित (nsecured) होता है और कानूनी तौर पर पति के ऐसे ऋण की देनदारी पत्नी पर नहीं डाली जा सकती, जब तक कि वह उसमें सह-उधारकर्ता या गारंटर न हो। अदालत ने बैंक की इस वसूली प्रक्रिया को स्थापित बैंकिंग प्रक्रियाओं का घृणास्पद उल्लंघन करार देते हुए काटी गई 19.90 लाख रुपये की पूरी रकम ब्याज सहित विधवा को लौटाने के सख्त निर्देश जारी किए।

यूएन में होर्मुज संकट पर भारत की दो टूक, 'समुद्री व्यापार को भू-राजनीतिक तनाव का निशाना न बनाए'

नई दिल्ली (आरएनएस)। होर्मुज जलडमरूमध्य में जारी तनाव के बीच भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में समुद्री व्यापार और नाविकों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है। भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश ने कहा कि व्यापारिक जहाजों को भू-राजनीतिक तनाव का निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत नेविगेशन की स्वतंत्रता और सुरक्षित समुद्री मार्गों का सम्मान करने की अपील की।

बहरीन की ओर से बुलाई गई सुरक्षा परिषद की 'आरिया-फॉर्मूला' बैठक में हरीश ने कहा कि भारत एक प्रमुख समुद्री राष्ट्र है और वह स्वतंत्र, खुले, सुरक्षित तथा नियम आधारित समुद्री क्षेत्र का मजबूती से समर्थन करता है। उन्होंने कहा कि जहाजों के नेविगेशन के अधिकार पर जबरदस्ती, धमकी, गैरकानूनी प्रतिबंध या मनमाने हस्तक्षेप का असर नहीं पड़ना चाहिए।

हरीश ने कहा कि प्रमुख समुद्री मार्गों में रुकावट का असर केवल संबंधित क्षेत्र तक सीमित नहीं रहता। इससे वैकल्पिक समुद्री मार्गों पर दबाव बढ़ता है, माल ढुलाई और बीमा की लागत बढ़ती है तथा ऊर्जा और खाद्य आपूर्ति प्रभावित होती है। इसका असर विकासशील देशों पर भी पड़ सकता है।भारत

ने होर्मुज संकट के दौरान अपने नाविकों की सुरक्षा का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया। हरीश ने कहा कि संघर्ष वाले इलाकों में फंसे समुद्री यात्रियों की सुरक्षा सामूहिक प्रयासों के केंद्र में होनी चाहिए। उनके लिए समय पर सुरक्षित निकासी, चिकित्सा सहायता, चालक दल में बदलाव और स्वदेश वापसी की प्रभावी व्यवस्था के साथ अंतरराष्ट्रीय सहयोग जरूरी है। भारत ने बताया कि उसकी समुद्री सुरक्षा गतिविधियों के तहत 14 सितंबर तक अदन की खाड़ी और लाल सागर से 449 से अधिक व्यापारिक जहाजों को सुरक्षित गुजरने में मदद मिली। इन जहाजों में करीब 20.3 मिलियन मीट्रिक टन कार्गो और तेल था, जिसकी कीमत 8.4 अरब डॉलर से अधिक बताई गई है।हरीश ने पश्चिमी अरब सागर में भारतीय नौसेना की 'ऑपरेशन ऊर्जा सुरक्षा' का भी उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि पश्चिम एशिया में सुरक्षा स्थिति बिगड़ने के बाद व्यापारिक मार्गों की सुरक्षा के लिए 13 मार्च तक भारतीय नौसेना की 11 इकाइयों को क्षेत्र में तैनात किया गया था।भारत ने समुद्री सुरक्षा से जुड़े नए खतरों को लेकर भी आगाह किया। हरीश ने बिना चालक वाले सिस्टम से होने वाले हमलों, साइबर जोखिम और नेविगेशन एवं संचार में हस्तक्षेप को उभरती चुनौतियों में शामिल बताया। उन्होंने कहा कि इन खतरों से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग, क्षमता निर्माण और तकनीक के जिम्मेदार इस्तेमाल की जरूरत है।भारत ने यह भी स्पष्ट किया कि लक्ष्य केवल किसी संकट के बाद समुद्री आवाजाही बहाल करना नहीं होना चाहिए, बल्कि ऐसी मजबूत समुद्री व्यवस्था तैयार करना होना चाहिए, जो संकट के व्यापक आर्थिक और मानवीय प्रभावों को फैलने से पहले ही रोक सके।

लखनऊ एयरपोर्ट पर 40 लाख के आईफोन और मेकबुक जब्त, गुजरात से आई खेप पर लगा तगड़ा जुर्माना

लखनऊ (आरएनएस)। चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर टैक्स चोरी के एक बड़े खेल का भंडाफोड़ हुआ है। उत्तर प्रदेश राज्य कर विभाग की विशेष टीम ने एयरपोर्ट पर छापा मारकर करीब 40 लाख रुपये कीमत के एप्पल आईफोन और मैकबुक की एक बड़ी खेप बरामद की है। पकड़े गए इलेक्ट्रॉनिक सामान के साथ कोई वैध बिल या ई-वे बिल नहीं मिला, जिसके बाद विभाग ने पूरी खेप जब्त कर व्यापारी पर 14.32 लाख रुपये का भारी जुर्माना ठोक दिया है।

अहमदाबाद से फ्लाइट के जरिए लखनऊ पहुंची थी खेपविभागीय अधिकारियों के मुताबिक, यह कीमती कंसाइनमेंट गुजरात के अहमदाबाद से हवाई मार्ग के जरिए लखनऊ लाया गया था। इसे बिना किसी आधिकारिक कागजात के उत्तर प्रदेश के विभिन्न बाजारों में खपाने की गुप्त तैयारी थी। जांच दल ने जब एयरपोर्ट पर सामान को रोका और दस्तावेज मांगे, तो वाहक कोई भी वैध बिल पेश नहीं कर सका। इसके बाद वाणिज्य कर विभाग के सचल दल ने पूरे माल को अपनी कस्टडी में ले लिया।

नए और पुराने दोनों मॉडल्स शामिल, लगा तगड़ा जुर्मानाजांच में सामने आया कि पकड़े गए गैजेट्स में एप्पल आईफोन और मैकबुक के कई नए और पुराने मॉडल शामिल हैं। टैक्स चोरी की पुष्टि होने के बाद विभाग ने सख्त रुख अपनाते हुए संबंधित व्यापारी पर 14.32 लाख रुपये का अर्थदंड लगाया है। जुर्माना जमा कराने के साथ ही विभागीय अधिकारी अब इस पूरे नेटवर्क के वित्तीय लेन-देन और बैकवर्ड-फॉरवर्ड लिंकेज की पड़ताल कर रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि जीएसटी और टैक्स से बचने के लिए तस्कर और व्यापारी अब रेलवे, एयरपोर्ट और अंतरराज्यीय लग्जरी बसों के जरिए बिना बिल का महंगा इलेक्ट्रॉनिक सामान मंगवा रहे हैं।

केंद्रीय कर्मचारियों को सरकार का बड़ा तोहफा, CGHS नियमों में हुआ अहम बदलाव; खत्म हुई पोस्टिंग की भौगोलिक सीमा

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए बड़ी और राहत भरी खबर सामने आई है। केंद्र सरकार ने सेंट्रल गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम (CGHS) से जुड़े पात्रता नियमों में ऐतिहासिक संशोधन करते हुए एक बड़ा फैसला लिया है। नए नियमों के तहत अब कर्मचारियों के रहने या पोस्टिंग की जगह को लेकर लागू भौगोलिक पाबंदियों को पूरी तरह समाप्त कर दिया गया है। सरकार के इस कदम से दूर-दराज या गैर-सीजीएचएस क्षेत्रों में तैनात लाखों कर्मियों को सीधे तौर पर बेहतरीन स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सकेगा।

खत्म हुई भौगोलिक बंदिशें, अब कहीं से भी चुन सकेंगे विकल्प

पहले लागू नियमों के अनुसार, जो कर्मचारी ऐसे इलाकों में तैनात या निवास कर रहे थे जहां सीजीएचएस का नेटवर्क मौजूद नहीं था, उन्हें इस योजना की पात्रता से बाहर रखा जाता था। इससे कर्मचारियों और उनके परिवारों को स्वास्थ्य सेवाओं और दावों के निपटारे में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। बदले गए नियमों के तहत अब ऐसे सभी योग्य कर्मचारी स्वेच्छा से CGHS का विकल्प चुन सकते हैं, बशर्ते वे तय अंशदान और अन्य आवश्यक शर्तों को पूरा करते हों। हालांकि, सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया है कि यह 'वन-टाइम ऑप्शन' होगा, यानी एक बार सीजीएचएस का विकल्प चुनने के बाद कर्मचारी इसे बदल नहीं सकेंगे। इसके साथ ही कर्मियों को यह शपथ-पत्र (अंडरटेकिंग) भी देना होगा कि वे या उनके आश्रित परिजन सीजीएचएस और 'सेंट्रल सर्विसेज (मेडिकल अटेंडेंस) रूल्स, 1944' [CS(MA)] दोनों का दोहरा लाभ एक साथ नहीं उठाएंगे।

चेटजीपीटी से परीक्षा में नकल करते पकड़ा गया छात्र, हॉस्टल के कमरे में मिला शव; आईआईटी बॉम्बे में हड़कंप

मुंबई(आरएनएस)। देश के सबसे प्रतिष्ठित तकनीकी संस्थानों में शुमार आईआईटी बॉम्बे से एक बेहद दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। पवई स्थित कैंपस में एनर्जी साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग के एक छात्र ने हॉस्टल के कमरे में खुदकुशी कर ली। इस घटना के बाद आक्रोशित छात्रों ने आईआईटी के मुख्य गेट पर जोरदार प्रदर्शन शुरू कर दिया। छात्रों में इस बात को लेकर भारी आक्रोश है कि अकेले इसी साल इसी कैंपस में तीन छात्र अपनी जान गंवा चुके हैं। गुस्साए छात्र संस्थान के डायरेक्टर से सीधे जवाब और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं। परीक्षा हॉल से निकाला गया, चेटजीपीटी के इस्तेमाल का लगा आरोपघटनाक्रम के अनुसार, परीक्षा के दौरान छात्र पर अनुचित साधनों के प्रयोग का आरोप लगा था। पहले यह बात सामने आई थी कि उसे किसी अन्य छात्र की उत्तरपुस्तिका में झांकने पर परीक्षा हॉल से बाहर किया गया था। वहीं, आईआईटी बॉम्बे प्रशासन द्वारा जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, छात्र को परीक्षा के दौरान मोबाइल फोन का इस्तेमाल करते रंगे हाथों पकड़ा गया था। आरोप है कि उसने नकल करने के मकसद से अपना प्रश्नपत्र आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल 'चैटजीपीटी' पर अपलोड कर दिया था। इसके बाद इनविजिलेटर ने उसे परीक्षा हॉल से बाहर भेज दिया था। नहीं शुरू की गई थी कोई कानूनी कार्रवाई: आईआईटी प्रशासनसंस्थान प्रबंधन का कहना है कि उन्होंने छात्र के खिलाफ कोई दंडात्मक या अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू नहीं की थी। विभाग के प्रमुख (HOD) और अन्य वरिष्ठ फैकल्टी सदस्यों के बीच इस पर विचार-विमर्श हुआ था और यह सहमति बनी थी कि ऐसा कोई कड़ा कदम न उठाया जाए जिससे छात्र के भविष्य या करियर पर बुरा असर पड़े। हालांकि, परीक्षा हॉल से सीधे अपने हॉस्टल के कमरे में लौटे छात्र ने उसी शाम आत्मघाती कदम उठा लिया और कमरे में उसका शव फंदे से लटकता मिला।

शराबबंदी पर सुप्रीम कोर्ट की दो टूक: फायदे कम नुकसान ज्यादा, अदालत ने गिनाईं 5 बड़ी बुराइयां

नई दिल्ली (आरएनएस)। शराबबंदी की वास्तविक प्रभावशीलता और उसके नतीजों पर गंभीर सवाल खड़े करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को बेहद तल्ख टिप्पणी की। अदालत ने स्पष्ट किया कि शराब पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने से फायदे के बजाय समाज और व्यवस्था को पांच बड़े नुकसान उठाने पड़ते हैं। इसके साथ ही पीठ ने गुजरात और अन्य राज्यों में पिछले कई सालों के दौरान जहरीली शराब से हुई मौतों और त्रासदियों का हवाला देते हुए सरकारों को हकीकत का आईना दिखाया।

सुप्रीम कोर्ट ने गिनाए शराबबंदी के पांच बड़े दुष्प्रभाव

जस्टिस जे. बी. पारदीवाला और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की पीठ ने शराबबंदी से जुड़े दुष्परिणामों को रेखांकित किया। पीठ ने कहा कि प्रतिबंध से सरकार को भारी राजस्व का नुकसान होता है, जबकि इसे लागू करने और निगरानी तंत्र पर सरकारी खजाने से भारी-भरकम राशि खर्च करनी पड़ती है। इसके अलावा, अवैध धंधे को संरक्षण मिलने से पुलिस और प्रशासनिक तंत्र में भ्रष्टाचार तेजी से पैर पसारता है। वहीं, वैध शराब न मिलने के कारण बाजार में नकली व जहरीली शराब का काला धंधा पनपता है और लोग शराब न मिलने पर ड्रग्स जैसे अन्य जानलेवा नशों की तरफ आकर्षित होने लगते हैं।

गुजरात का उदाहरण: पाबंदी के बावजूद 600 से अधिक मौतें

अदालत ने कहा कि इतिहास गवाह है कि पूर्ण शराबबंदी अक्सर शराब के कारोबार को भूमिगत और अवैध कर देती है, जिससे जानलेवा व अनियंत्रित शराब का चलन बढ़ता है। पीठ ने गुजरात का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि सख्त शराबबंदी के बावजूद राज्य में आजादी के बाद से अब तक 10 से ज्यादा बड़ी जहरीली शराब त्रासदियां हो चुकी हैं, जिनमें 600 से अधिक लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। अदालत ने हाल ही में गुजरात के भावनगर में 13 और मध्य प्रदेश के सागर में 15 लोगों की जहरीली शराब से हुई मौतों को सिस्टम के लिए खतरे की घंटी करार दिया।

महाराष्ट्र पॉइजन रूल्स के नियम 18A और 18B रद्द

इंडियन केमिकल काउंसिल और विभिन्न रसायन निर्माता कंपनियों की याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए शीर्ष अदालत ने महाराष्ट्र पॉइजन रूल्स के नियम 18A और 18B को पूरी तरह रद्द कर दिया। ये नियम 1991 के मुंबई जहरीली शराब कांड के बाद बनाए गए थे, जिनके तहत मेथनॉल की बिक्री में कड़वा पदार्थ और रंग मिलाना अनिवार्य किया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार की दलीलों को खारिज करते हुए कहा कि सिर्फ अच्छी मंशा होना ही नियमों की मनमानी को सही नहीं ठहरा सकता। सरकार यह साबित करने में विफल रही कि ऐसे एडिटिव्स मिलाने से जहरीली शराब से होने वाली मौतों को कैसे पूरी तरह रोका जा सकता है।

डॉक्टर गए थे कोर्ट पेशी पर, ड्राइवर ने संभाल ली ओपीडी; वायरल वीडियो से स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप

कानपुर (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के कानपुर स्थित एक सरकारी अस्पताल से स्वास्थ्य व्यवस्था की पोल खोलने वाला हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां अस्पताल की ओपीडी में डॉक्टर की जगह उनका निजी ड्राइवर मरीजों की जांच करता और धड़ल्ले से दवाइयों के पर्चे लिखता नजर आया। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते ही हड़कंप मच गया है। मामले ने न केवल अस्पताल प्रबंधन की गंभीर लापरवाही उजागर की है, बल्कि यह सवाल भी खड़ा कर दिया है कि आखिर एक अनधिकृत व्यक्ति ओपीडी में बैठकर मरीजों की जान से खिलवाड़ कैसे कर रहा था।

डॉक्टर गए थे कोर्ट पेशी पर, ड्राइवर ने संभाल ली ओपीडी

यह सनसनीखेज मामला कांशीराम अस्पताल एवं ट्रॉमा सेंटर का है। बताया जा रहा है कि अस्पताल के आपातकालीन चिकित्सा अधिकारी (ईएमओ) डॉ. रामकेश एक अदालती सुनवाई के सिलसिले में बाहर गए हुए थे। उनकी अनुपस्थिति में उनका निजी ड्राइवर 'देव' डॉक्टर की कुर्सी पर जा बैठा। वायरल वीडियो में वह ओपीडी में एक-एक कर मरीजों को अंदर बुलाते, उनकी नब्ज टटोलते और बाकायदा पर्चे पर दवाइयां लिखते हुए साफ दिखाई दे रहा है।

तीन सदस्यीय जांच कमेटी गठित, ड्राइवर पर एफआईआर

वीडियो सामने आने और मामला उच्चाधिकारियों तक पहुंचने के बाद अस्पताल प्रशासन में खलबली मच गई है। प्रशासन ने पूरे प्रकरण की तहकीकात के लिए तीन सदस्यीय जांच समिति गठित कर दी है। यह समिति जांच कर रही है कि ड्राइवर को ओपीडी के भीतर जाने की अनुमति कैसे मिली, उसने कितने मरीजों को देखा और क्या ऐसा खेल पहले भी होता रहा है। इसके साथ ही अस्पताल प्रबंधन ने आरोपी ड्राइवर के खिलाफ स्थानीय पुलिस में औपचारिक शिकायत भी दर्ज कराई है।

मरीजों की जान के साथ बड़ा खिलवाड़, कानून का खुला उल्लंघन

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग (एनएमसी) अधिनियम के तहत किसी भी ऐसे व्यक्ति को चिकित्सा सेवा या परामर्श देने की मनाही है जो मेडिकल काउंसिल में पंजीकृत डॉक्टर न हो। चिकित्सा विशेषज्ञों का मानना है कि मौसमी बुखार और डेंगू जैसी बीमारियों के चरम दौर में इस तरह की लापरवाही जानलेवा साबित हो सकती है। मिसाल के तौर पर, डेंगू में एस्पिरिन या इबुप्रोफेन जैसी सामान्य दर्द निवारक दवाएं देने से ब्लीडिंग का खतरा बढ़ जाता है और मरीज की जान जा सकती है। ऐसे में बिना योग्यता के किसी ड्राइवर द्वारा दवाएं लिखना सीधे-सीधे मरीजों की जान को जोखिम में डालने का संगीन अपराध है। फिलहाल स्वास्थ्य विभाग जांच रिपोर्ट के आधार पर कड़ी कार्रवाई की तैयारी कर रहा है।

DUSU चुनाव में ABVP का डंका, अध्यक्ष समेत 3 पद जीते; निर्दलीय दीपांशु शौकीन बने उपाध्यक्ष

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) चुनाव 2026 में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) की तीन सीटों पर जीत हुई। चुनाव परिणाम के अनुसार, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव में अध्यक्ष, सचिव और सह-सचिव पद पर जीत दर्ज की है।नतीजे को लेकर एबीवीपी ने कहा है कि हमने 3-0 से जीत दर्ज की है। इसने यह स्पष्ट कर दिया कि आज का युवा विकास और राष्ट्रवाद की सोच से जुड़ा हुआ है। दिल्ली विश्वविद्यालय को विविधताओं से भरे 'मिनी-इंडिया' के रूप में देखा जाता है। ऐसे में डूसू चुनाव का परिणाम छात्र राजनीति के साथ-साथ युवाओं के बीच विकास और राष्ट्रवाद जैसे मुद्दों को लेकर चर्चा का विषय बना है।एनएसयूआई, जिसके उम्मीदवारों ने पूरी कोशिश की, वे चुनाव में युवाओं को भ्रमित कर पाए, लेकिन, युवाओं ने दिखाया कि वह विकास और राष्ट्रवाद की सोच के साथ पूरी मजबूती के साथ खड़ा है। में एबीवीपी की यह जीत अपने आप में एक बड़ा संदेश है। इससे पता चलता है कि युवा और आगे बढ़ने की चाह रखने वाले 'विकसित भारत' और राष्ट्रवाद की सोच से जुड़ा है। कांग्रेस और उसके 'नाराज फूफा' जैसे लोगों ने युवाओं को गुमराह करने की पूरी कोशिश की। लेकिन युवा उनके झूठ के झांसे में नहीं आए। 'झूठ की गूंज' डीयू में सुनाई नहीं दी, जो कि एक 'मिनी-इंडिया' है।

ट्रंप ने रूस प्रतिबंध विधेयक पर किए हस्ताक्षर, भारत पर बढ़ा 100 प्रतिशत टैरिफ का खतरा

वाशिंगटन(आरएनएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन युद्ध को लेकर रूस के खिलाफ एक बेहद सख्त प्रतिबंध विधेयक को कानून के रूप में मंजूरी दे दी है। यह विधेयक रूस से तेल और गैस खरीदने वाले देशों पर 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का रास्ता साफ करता है, जिससे भारत और चीन सीधे अमेरिकी निशाने पर आ गए। ट्रंप ने यह कदम हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव द्वारा इस विधेयक को 262-159 के बहुमत से पारित करने के 2 दिन बाद उठाया है। इस विधेयक को लिंडसे ओ ग्राहम सेंक्शनिंग रशिया एंड ईरान एक्ट ऑफ 2026 रखा गया है। इसका मुख्य उद्देश्य यूक्रेन में रूस के युद्ध को बढ़ावा देने वाले वित्तीय संसाधनों को रोकना है। यह रूसी अधिकारियों, बैंकों, ऊर्जा कंपनियों और मॉस्को के सैन्य अभियानों का समर्थन करने वाली विदेशी संस्थाओं को निशाना बनाता है।

यह कानून ट्रंप को रूसी सामानों पर 500 प्रतिशत और रूस के साथ व्यापार करने वाले देशों पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने का अधिकार देता है। डेमोक्रेटिक कांग्रेसी स्टेनी होयर द्वारा लाए गए एक संशोधन में विधेयक के द्वितीयक प्रावधानों के तहत संभावित टैरिफ के लिए विशेष रूप से 10 देशों का उल्लेख हैं। इनमें चीन, भारत, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), तुर्की, सिंगापुर, अजरबैजान, कजाकिस्तान, हंगरी, किर्गिस्तान और स्लोवाकिया शामिल हैं। हालांकि, संशोधन में भारत का नाम है, लेकिन यह भारत पर तुरंत 100 प्रतिशत टैरिफ लागू नहीं करता।यह राष्ट्रपति ट्रंप को विवेकाधीन शक्ति देता है कि यदि वह चाहें तो भारत पर यह टैरिफ लगा सकते हैं।

अगर, ट्रंप इस 100 प्रतिशत टैरिफ को लागू करते हैं, तो यह उस 10 प्रतिशत टैरिफ के ऊपर अतिरिक्त रूप से लगेगा, जो अमेरिका वर्तमान में जबरन श्रम के नियमों के उल्लंघन के जुर्माने के रूप में भारतीय सामानों पर लगाता है।

विधेयक के अमेरिकी कांग्रेस में पारित होने के बाद भारत सरकार ने बेहद मजबूत और स्पष्ट बयान जारी किया है।

भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा, भारत अपने 140 करोड़ लोगों के लिए ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। हम बाजार की बदलती परिस्थितियों और विभिन्न स्रोतों के विविधीकरण के आधार पर ऐसा करना जारी रखेंगे। भारत अपने व्यापारिक और आर्थिक हितों की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने के लिए पूरी तरह दृढ़ है।

विदेश मंत्रालय स्पष्ट किया कि रूस के साथ भारत के तेल व्यापार के मुद्दे पर अमेरिकी वार्ताकारों के साथ चर्चा हुई है और भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि इसका असर न केवल द्विपक्षीय संबंधों बल्कि वैश्विक ऊर्जा बाजार पर भी पड़ सकता है। इस विधेयक को अधिकांश रिपब्लिकन सांसदों का समर्थन तो मिला है, लेकिन बंद कमरों में कई रिपब्लिकन नेताओं ने पार्टी आलाकमान से ट्रंप की इस नई असीमित टैरिफ शक्तियों को हटाने का अनुरोध किया था।

डोनाल्ड ट्रंप ने किया ऐतिहासिक समझौता, ग्रीनलैंड की सुरक्षा पर अमेरिका को मिला स्थायी नियंत्रण

वाशिंगटन,(आरएनएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने डेनमार्क और ग्रीनलैंड के साथ एक नए सुरक्षा समझौते की घोषणा की है। ट्रंप के अनुसार, समझौते के तहत अमेरिका को ग्रीनलैंड की सुरक्षा और उससे जुड़े अन्य महत्वपूर्ण मामलों में स्थायी नियंत्रण प्राप्त होगा। हालांकि, डेनमार्क और ग्रीनलैंड की ओर से जारी संयुक्त बयान में कहा गया है कि समझौता उनकी संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और ग्रीनलैंड के लोगों के आत्मनिर्णय के अधिकार को मान्यता देता है। समझौते को लागू होने से पहले संबंधित संसदों की आवश्यक मंजूरी भी लेनी होगी।

ट्रंप ने शुक्रवार को अपने सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ सोशल' पर समझौते की घोषणा करते हुए कहा कि अमेरिका ने डेनमार्क और ग्रीनलैंड के साथ ऐसा समझौता किया है, जो ग्रीनलैंड में सुरक्षा पर अमेरिका को स्थायी नियंत्रण देता है और उसकी सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं का समाधान करता है।

ब्रिटेन में सिख बस ड्राइवर पर जानलेवा हमला, दाढ़ी खींची, बस हाईजैक कर कई गाड़ियों को रौंदा;

लंदन (आरएनएस)। ब्रिटेन के श्रॉपशायर काउंटी के टेलफोर्ड शहर में एक सिख बस ड्राइवर पर बर्बर नस्लीय हमले और बस हाईजैक की रूह कंपा देने वाली घटना सामने आई है। शुक्रवार शाम मेडले स्थित

कोर्ट स्ट्रीट पर एक अज्ञात हमलावर ने ड्यूटी पर तैनात पगड़ीधारी सिख ड्राइवर पर हमला बोल दिया। आरोपी ने न केवल ड्राइवर के साथ बुरी तरह मारपीट की, बल्कि उसकी दाढ़ी खींचकर बेअदबी की और उसे चलती बस से बाहर फेंक दिया। इसके बाद आरोपी ने बस का नियंत्रण अपने हाथ में लेकर रॉन्ग साइड में अंधाधुंध दौड़ाते हुए कई वाहनों को बुरी तरह टक्कर मार दी। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी को मौके से ही गिरफ्तार कर लिया है।प्रत्यक्षदर्शियों और सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो के मुताबिक, आरोपी ने विशेष रूप से पगड़ी पहने सिख ड्राइवर को अपना निशाना बनाया। उसने केबिन में घुसकर ड्राइवर पर ताबड़तोड़ वार किए और उसकी दाढ़ी पकड़कर खींचने लगा। ड्राइवर ने खुद को बचाने और हमलावर का मुकाबला करने की कोशिश की, लेकिन आरोपी ने उसे हिंसक तरीके से धक्का देकर बस से नीचे सड़क पर गिरा दिया। मौके पर मौजूद लोगों ने इस पूरी खौफनाक वारदात का वीडियो अपने मोबाइल कैमरों में कैद किया और फौरन पुलिस को सूचना दी।

भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौता अगले महीने लागू होने की उम्मीद

-भारतीय निर्यातकों को पहले दिन से शुल्क-मुक्त बाजार पहुंच, दोनों देशों के बीच व्यापार बढ़ाने पर जोर

वेलिंगटन,(आरएनएस)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुक्त व्यापार समझौते के जल्द लागू होने की उम्मीद है। न्यूजीलैंड के व्यापार एवं निवेश मंत्री टॉड मैक्ले ने कहा है कि दोनों देश समझौते को लागू करने के लिए आवश्यक आधिकारिक दस्तावेजों के आदान-प्रदान की प्रक्रिया पूरी करने में जुटे हैं और इसके अगले एक महीने के भीतर लागू होने की उम्मीद है।मैक्ले ने बताया कि न्यूजीलैंड की संसद समझौते को लागू करने वाले विधेयक को मंजूरी दे चुकी है। इसके साथ ही समझौते के प्रभावी होने का रास्ता साफ हो गया है। उन्होंने कहा कि समझौता लागू होने के पहले ही दिन से भारतीय निर्यातकों को न्यूजीलैंड के बाजार में अपने सामान को बिना आयात शुल्क के भेजने की सुविधा मिलेगी।न्यूजीलैंड की संसद ने 15 सितंबर को भारत के साथ हुए समझौते को लागू करने वाले विधेयक को मंजूरी दी थी। इसके बाद 17 सितंबर को इसे अंतिम मंजूरी भी मिल गई। संसद में विधेयक के पक्ष में 93 सांसदों ने मतदान किया, जबकि 29 सांसदों ने इसका विरोध किया। मंत्री मैक्ले ने कहा कि दोनों देश अब समझौते को लागू करने की औपचारिक प्रक्रिया पूरी कर रहे हैं और इसके जल्द प्रभावी होने की उम्मीद है।मैक्ले ने कहा कि समझौते के तहत न्यूजीलैंड पहले दिन से ही भारतीय सामान पर आयात शुल्क को शून्य करने के लिए प्रतिबद्ध है। इससे भारतीय निर्यातकों को न्यूजीलैंड के बाजार में प्रतिस्पर्धी स्थिति हासिल करने में मदद मिल सकती है।कहा कि मुक्त व्यापार समझौते के बाद दोनों देशों के बीच रसायन, औषधि और मशीनरी जैसे क्षेत्रों में कारोबार बढ़ने की संभावना है। इसके अलावा सेवाओं के क्षेत्र, विशेष रूप से सूचना प्रौद्योगिकी और संचार सेवाओं में भी व्यापार विस्तार की काफी संभावनाएं हैं।

एआई की गलत जानकारी से बढ़ा अमेरिका-चीन तनाव, चीनी जहाज पर कार्रवाई की तैयारी तक पहुंचा मामला

वॉशिंगटन (आरएनएस)। अमेरिका और चीन के बीच इस वर्ष एक ऐसी स्थिति बन गई थी, जिसमें गलत खुफिया जानकारी के आधार पर सैन्य तनाव गंभीर रूप ले सकता था। एक रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी सेना ने मध्य पूर्व में एक चीनी जहाज को रोकने की तैयारी शुरू कर दी थी। इसके पीछे एक खुफिया रिपोर्ट थी, जिसमें दावा किया गया था कि जहाज परमाणु हथियारों से संबंधित सामग्री लेकर जा रहा है। बाद में दोबारा जांच में पता चला कि यह जानकारी गलत थी और रिपोर्ट तैयार करने में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित संवाद प्रणाली की मदद ली गई थी।

रिपोर्ट के अनुसार, एक सैन्य खुफिया विश्लेषक ने चीनी जहाज से संबंधित उपलब्ध जानकारी को कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रणाली में डाला था। इसमें जहाज से जुड़ी कुछ जानकारियों के साथ अन्य उपलब्ध सूचनाएं भी शामिल थीं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रणाली ने जहाज में मौजूद सामग्री की गलत पहचान करते हुए उसे परमाणु हथियारों से संबंधित बता दिया।

जानकारी को गंभीर मानते हुए अमेरिकी सेना ने चीनी

जहाज को रोकने की तैयारी शुरू कर दी थी। रिपोर्ट में बताया गया है कि अमेरिकी सैन्य विमान भी संबंधित क्षेत्र में सक्रिय थे और कुछ सैनिक जहाज पर जाकर जांच करने की तैयारी में थे। हालांकि, कार्रवाई शुरू होने से ठीक पहले कुछ अनुभवी अधिकारियों ने खुफिया रिपोर्ट में दी गई जानकारी की दोबारा जांच करने का फैसला किया।

दोबारा जांच में सामने आया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रणाली ने जहाज में रखी सामग्री की गलत पहचान की थी। इसके बाद अमेरिकी अधिकारियों ने प्रस्तावित सैन्य कार्रवाई रोक दी। रिपोर्ट में यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि चीनी जहाज वास्तव में किस प्रकार की सामग्री लेकर जा रहा था। संबंधित सामान का वास्तविक विवरण भी सार्वजनिक नहीं किया गया है।

इस घटना ने सैन्य और खुफिया अभियानों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के इस्तेमाल को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता का इस्तेमाल तेजी से विभिन्न क्षेत्रों में बढ़ रहा है, लेकिन इससे प्राप्त जानकारी हमेशा सही हो, यह जरूरी नहीं है। ऐसे में संवेदनशील सैन्य और सुरक्षा मामलों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता से मिली जानकारी का मानव विशेषज्ञों द्वारा स्वतंत्र रूप से सत्यापन किए जाने की आवश्यकता पर जोर दिया जा रहा है। इस घटना ने यह चिंता भी सामने रखी है कि यदि कृत्रिम बुद्धिमत्ता से मिली गलत जानकारी के आधार पर किसी सैन्य कार्रवाई का फैसला लिया जाए तो उसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं। अमेरिका और चीन जैसे देशों के बीच पहले से मौजूद रणनीतिक तनाव के बीच ऐसी किसी गलत सूचना से स्थिति और जटिल हो सकती है।

मनोरंजन

स्पीड बैग एक्सरसाइज से मिल सकते हैं कई फायदे, जानिए कैसे

स्पीड बैग एक प्रकार का एक्सरसाइज उपकरण है, जिसका इस्तेमाल मुक्केबाजी की ट्रेनिंग में किया जाता है। यह उपकरण न केवल आपके हाथों और आंखों के तालमेल को सुधारता है, बल्कि पूरे शरीर की तंदुरुस्ती के लिए भी फायदेमंद होता है। स्पीड बैग का उपयोग करते समय आपको तेज गति से पैरों और हाथों का उपयोग करना होता है। आइए आज हम आपको स्पीड बैग एक्सरसाइज से मिलने वाले फायदों के बारे में बताते हैं।

सुधरता है हाथों और आंखों का तालमेल

स्पीड बैग का उपयोग करते समय आपके हाथ और आंखें एक साथ काम करती हैं। इससे आपका हाथ-आंख तालमेल बेहतर होता है।यह कौशल न केवल मुक्केबाजी में, बल्कि अन्य खेलों और रोजमर्रा की गतिविधियों में भी काम आता है। जब आप स्पीड बैग पर तेजी से प्रहार करते हैं तो आपकी आंखें आपके हाथों की गति को पकड़ती हैं और आप तेजी से प्रतिक्रिया देना सीखते हैं।इससे आपकी प्रतिक्रिया क्षमता भी बढ़ती है।

दिल का स्वास्थ्य होता है बेहतर

स्पीड बैग एक्सरसाइज करते समय दिल की धड़कनें बढ़ती हैं, जिससे दिल और रक्त संचार प्रणाली मजबूत होती है। नियमित रूप से स्पीड बैग का उपयोग करने से दिल की धड़कनें तेज होती हैं और रक्त संचार बेहतर होता है।यह एक्सरसाइज फेफड़ों की क्षमता को भी बढ़ाती है, जिससे आपकी सांस लेने की क्षमता में सुधार होता है। इसके अलावा यह एक्सरसाइज दिल को स्वस्थ रखने में मदद करती है और दिल की बीमारियों का खतरा कम करती है।

बढ़ती है हाथों की ताकत

स्पीड बैग पर प्रहार करने से आपके हाथों की मांसपेशियां मजबूत होती हैं। इससे आपकी कलाई और कंधों की ताकत भी बढ़ती है, जो मुक्केबाजी या अन्य खेलों में बहुत जरूरी होती है।यह एक्सरसाइज आपके हाथों की सहनशक्ति को भी बढ़ाती है, जिससे आप लंबे समय तक अधिक तीव्रता से काम कर सकते हैं। इसके अलावा यह एक्सरसाइज आपके हाथों की गति और सटीकता में भी सुधार करती है, जिससे आपकी प्रहार करने की क्षमता बेहतर होती है।

मानसिक ध्यान में दिखता है सुधार

स्पीड बैग एक्सरसाइज करते समय आपको लगातार अपनी गति और दिशा पर ध्यान केंद्रित करना पड़ता है। इससे आपका मानसिक ध्यान बढ़ता है।नियमित रूप से यह एक्सरसाइज करने से आप अपने दिमाग को अधिक केंद्रित कर पाते हैं और तनाव को कम करने में भी मदद मिलती है।यह एक्सरसाइज आपकी मानसिक स्थिति को बेहतर बनाने में भी सहायक होती है, जिससे आप अधिक उत्पादक बन सकते हैं और अपनी रोजमर्रा की गतिविधियों में बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं।

वजन कम करने में मददगार

स्पीड बैग एक तेज गति वाली एक्सरसाइज है, जिससे कैलोरी तेजी से जलती हैं और वजन घटाने में मदद मिलती है। नियमित रूप से इस उपकरण का उपयोग करने से आपका मेटाबॉलिज्म तेज होता है, जिससे शरीर की अतिरिक्त चर्बी कम होती है।

यह एक्सरसाइज न केवल वजन घटाने में मददगार है, बल्कि शरीर की संपूर्ण फिटनेस भी सुधारती है। इसके अलावा यह एक्सरसाइज आपकी सहनशक्ति को भी बढ़ाती है और आपको अधिक सक्रिय बनाती है।

कियारा आडवाणी का किलर बॉस लेडी अवतार, पावर सूट में बढ़ाया इंटरनेट का तापमान

बॉलीवुड की स्टनिंग और बेहद खूबसूरत अभिनेत्री कियारा आडवाणी हमेशा से ही अपने शानदार फैशन सेंस और अदाओं से फैंस का दिल जीतती आई हैं। हाल ही में कियारा ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपने नए फोटोशूट की कुछ बेहद अट्रैक्टिव तस्वीरें शेयर की हैं।

इन तस्वीरों में कियारा का एक नया और बेहद पावरफुल बॉस लेडी रूप देखने को मिल रहा है। अपनी इन तस्वीरों को पोस्ट करते हुए कियारा ने कैप्शन में लिखा कि वे इनमें से कोई एक फोटो चुन नहीं पा रही थीं, इसलिए उन्होंने अपने पावर सूट एरा की ये तस्वीरें शेयर की हैं।

तस्वीरों में कियारा आडवाणी ने मोनोक्रोमैटिक कैमेल-बेज रंग का थ्री-पीस पावर सूट पहना हुआ है। उनके इस एंसेंबल में एक फिटेड वेस्टकोट, क्लासिक टेलर्ड ब्लेज़र और हाई-वेस्टेड वाइड-लेग ट्राउजर शामिल हैं।

ब्लेज़र के नीचे उन्होंने सफेद कॉलर और कफ्स वाली शर्ट पहनी है, जिसे बेज कलर की स्लिम नेक-टाई के साथ पेयर किया गया है। उनके इस पूरे सूट पर बारीक प्लेड पैटर्न बना हुआ है, जो उनके कॉर्पोरेट लुक में एक विंटेज और मॉडर्न टच जोड़ता है।

एक्सेसरीज के तौर पर कियारा ने नो-फस लुक अपनाते हुए केवल सोने के स्टड इयररिंग्स, एक स्टेटमेंट रिंग और आंखों पर बड़े क्लियर-लेंस एविएटर चश्मे लगाए हैं, जो उनके इस अवतार को बेहद बोल्ड और कूल बनाते हैं। पैरों में उन्होंने मैचिंग पॉइंटेड-टो स्टिलेटोज़ पहने हैं।

तस्वीरों में कियारा का हर एक्सप्रेशन आत्मविश्वास और पावर से भरा हुआ है। किसी तस्वीर में वे अपने चश्मे को धीरे से थामे हुए कैमरे की ओर गंभीर और तीखी नजरों से देख रही हैं, तो किसी में दूर किसी सोच में डूबी नजर आ रही हैं।

उनके चेहरे पर मिनिमल मेकअप और न्यूड-पिंक लिपस्टिक के साथ सॉफ्ट-ग्लैम फिनिश दिया गया है, जो उनके नेचुरल ग्लो और नैन-नक्श को बखूबी उभार रहा है। कियारा ने अपने बालों को मिडिल-पार्टेड सॉफ्ट वेव्स में खुला रखा है। कियारा आडवाणी का यह लेटेस्ट लुक सोशल मीडिया पर आते ही वायरल हो चुका है।

स्किन केयर प्रोडक्ट्स खरीदने से पहले इन 5 बातों का रखें ध्यान, होगा फायदा

स्किन केयर प्रोडक्ट्स का चयन करते समय कई लोग सिर्फ विज्ञापनों या दूसरों की सलाह पर निर्भर रहते हैं। इससे त्वचा को फायदा कम और नुकसान ज्यादा हो सकता है। सही स्किन केयर प्रोडक्ट्स का चयन करने के लिए आपको अपनी त्वचा के प्रकार, जरूरतों और संवेदनशीलता को समझना जरूरी है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसी बातें बताते हैं, जिनका ध्यान रखकर आप अपनी त्वचा के लिए सही स्किन केयर प्रोडक्ट्स का चयन कर सकते हैं।

त्वचा के प्रकार को समझें

हर किसी की त्वचा अलग होती है, इसलिए सबसे पहले अपनी त्वचा के प्रकार को समझें। आपकी त्वचा तैलीय, सूखी, मिश्रित या संवेदनशील हो सकती है। इसके अनुसार ही स्किन केयर प्रोडक्ट्स का चयन करें। उदाहरण के लिए अगर आपकी त्वचा रूखी है तो नमी देने वाली क्रीम और सीरम का इस्तेमाल करें, वहीं तैलीय त्वचा वालों को बिना तेल वाले मॉइस्चराइजर चुनना चाहिए।संवेदनशील त्वचा वालों को ऐसे प्रोडक्ट्स चुनने चाहिए, जिनमें प्राकृतिक तत्व शामिल हों।

घटक पर ध्यान दें

स्किन केयर प्रोडक्ट्स खरीदते समय उनके घटकों पर ध्यान देना बहुत जरूरी है। हमेशा ऐसे प्रोडक्ट्स चुनें, जिनमें प्राकृतिक तत्व शामिल हों और कम रसायन हों। हानिकारक रसायनों वाले प्रोडक्ट्स से बचें।इसके बजाय विटामिन-सी, विटामिन-ई, एलोवेरा और हयालूरोनिक एसिड जैसे प्राकृतिक तत्वों से भरपूर प्रोडक्ट्स का चयन करें।यह आपकी त्वचा को पोषण देंगे और उसे स्वस्थ बनाए रखेंगे, जिससे आपकी त्वचा खिली-खिली रहेगी।

ब्रांड विश्वसनीय हो

स्किन केयर प्रोडक्ट्स खरीदते समय ब्रांड की भरोसेमंदता पर ध्यान दें। अच्छे और नामी ब्रांड के प्रोडक्ट्स हमेशा बेहतर परिणाम देते हैं। सस्ते या अनजान ब्रांड के प्रोडक्ट्स से बचें क्योंकि इनमें गुणवत्ता कम हो सकती है और ये आपकी त्वचा को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

अच्छे ब्रांड के प्रोडक्ट्स में गुणवत्ता और सुरक्षा दोनों ही होती है, जिससे आपकी त्वचा को सही पोषण मिलता है और वह स्वस्थ रहती है।

कोई भी नया स्किन केयर प्रोडक्ट खरीदने से पहले उसकी समीक्षा पढ़ना न भूलें।

इससे आपको पता चलेगा कि वह प्रोडक्ट दूसरों पर कैसा काम किया है और क्या उसमें कोई समस्या थी। इसके अलावा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर भी लोगों की राय देखें ताकि आपको सही जानकारी मिल सके।इससे आप सही निर्णय ले सकेंगे और अपनी त्वचा के लिए बेहतरीन विकल्प चुन सकेंगे। हमेशा कोशिश करें कि आप अच्छी समीक्षा वाले और भरोसेमंद ब्रांड के प्रोडक्ट्स ही खरीदें।

सही मात्रा में खरीदें

बहुत सारे स्किन केयर प्रोडक्ट्स एक साथ खरीद लेना सही नहीं होता क्योंकि उनका इस्तेमाल करने से पहले ही उनकी एक्सपायरी डेट खत्म हो सकती है।इसलिए जरूरत अनुसार ही प्रोडक्ट्स खरीदें ताकि वे लंबे समय तक सही रहें और आपकी त्वचा को पूरा फायदा मिले।

इन बातों का ध्यान रखकर आप अपनी त्वचा की जरूरतों के अनुसार सही स्किन केयर प्रोडक्ट्स का चयन कर सकते हैं और स्वस्थ, चमकदार त्वचा पा सकते हैं।

श्रीरामलला दर्शन योजना से धमतरी के 2,176 श्रद्धालुओं ने किए प्रभु के दर्शन

धमतरी,(आरएनएस.)। छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक चेतना में भगवान राम के प्रति आस्था का विशेष स्थान है। इसी आस्था को सम्मान देते हुए राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई श्रीरामलला दर्शन योजना प्रदेशवासियों को अयोध्या धाम में प्रभु रामलला के दर्शन का अवसर उपलब्ध करा रही है। योजना का विधिवत शुभारंभ 5 मार्च 2024 को रायपुर रेलवे स्टेशन से विशेष ट्रेन रवाना किए जाने के साथ हुआ था। योजना के माध्यम से श्रद्धालुओं को केवल अयोध्या पहुंचने की सुविधा ही नहीं, बल्कि यात्रा के दौरान आवास, भोजन, मंदिर दर्शन सहित आवश्यक व्यवस्थाओं का समेकित पैकेज उपलब्ध कराया जाता है। विशेष ट्रेनों में यात्रियों की सुविधा के लिए टूर एस्कॉर्ट, सुरक्षा कर्मियों और चिकित्सकीय दल की व्यवस्था भी रहती है। अयोध्या के साथ काशी विश्वनाथ दर्शन को भी यात्रा का हिस्सा बनाया गया है। धमतरी जिले में यह योजना आस्था और जनभागीदारी का महत्वपूर्ण माध्यम बनी है। शनिवार को मिली जानकारी के अनुसार योजना शुरू होने से अब तक जिले से 17 यात्राओं के माध्यम से 2,176 श्रद्धालु अयोध्या धाम की यात्रा कर रामलला के दर्शन का लाभ ले चुके हैं। इनमें ग्रामीण और शहरी

क्षेत्र के श्रद्धालु शामिल हैं। अनेक बुजुर्गों और ऐसे नागरिकों के लिए, जिनके लिए स्वयं के संसाधनों से अयोध्या की यात्रा करना कठिन था, यह योजना धार्मिक यात्रा को सुलभ बनाने का माध्यम बनी है। योजना के क्रियान्वयन में जिला प्रशासन की महत्वपूर्ण भूमिका है।

कलेक्टर की अध्यक्षता में गठित जिलास्तरीय समिति द्वारा पात्र हितग्राहियों के चयन सहित यात्रा संबंधी व्यवस्थाओं का समन्वय किया जाता है। निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आवेदन ग्राम पंचायत और नगरीय निकायों के माध्यम से प्राप्त किए जाते हैं। आवेदकों से नवीनतम रंगीन फोटो, पहचान एवं निवास प्रमाण तथा आपात स्थिति में संपर्क के लिए दो व्यक्तियों की जानकारी ली जाती है। निर्धारित कोटे से अधिक आवेदन होने पर नियमानुसार चयन प्रक्रिया अपनाई जाती है और प्रतीक्षा सूची भी तैयार की जाती है। योजना में वरिष्ठ नागरिकों को प्राथमिकता का प्रावधान है। 55 वर्ष या उससे अधिक आयु के आवेदकों को प्राथमिकता दी जाती है। 65 वर्ष से अधिक आयु के ऐसे वरिष्ठ नागरिक, जो अकेले यात्रा करते हैं, निर्धारित नियमों के तहत सहायक को साथ ले जा सकते हैं। पति-पत्नी के साथ यात्रा, समूह में यात्रा तथा सहायक की पात्रता के लिए भी अलग-अलग प्रावधान हैं। यात्रा से पूर्व यात्रियों का स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाता है, ताकि यात्रा सुरक्षित और सुगम रहे। यात्रियों को उनके निवास क्षेत्र से निर्धारित स्थान अथवा रेलवे स्टेशन तक पहुंचाने और यात्रा पूरी होने के बाद वापस निर्धारित स्थल तक लाने की जिम्मेदारी भी जिला प्रशासन द्वारा निभाई जाती है। इस तरह योजना केवल तीर्थयात्रा तक सीमित नहीं है, बल्कि यात्रियों की सुरक्षा, सुविधा और सम्मानपूर्ण यात्रा को केंद्र में रखकर संचालित की जा रही है।

राज्य सरकार के अनुसार योजना के माध्यम से अब तक 42 हजार से अधिक श्रद्धालु रामलला के दर्शन कर चुके हैं।

आशीर्वाद के दीपों से जगमगाया छत्तीसगढ़, रायपुर में जले 25 लाख दीप : अरुण साव

रायपुर, (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ में आयोजित 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम को लेकर उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि प्रदेशभर में लोगों ने उत्साह के साथ दीप प्रज्ज्वलित किए। उन्होंने दावा किया कि राजधानी रायपुर में 25 लाख दीप जलाए गए, जिससे शहर दीपों की रोशनी से जगमगा उठा। नवा रायपुर अटल नगर स्थित कार्यालय में पत्रकारों से चर्चा करते हुए उप मुख्यमंत्री साव ने बताया कि 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत 13 अलग-अलग प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। अभियान के अंतर्गत 'सेवा सेतु' के माध्यम से सरकार की योजनाओं का लाभ सभी पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। इसके लिए एक महीने तक व्यापक अभियान चलाया जाएगा, जिसकी शुरुआत 17 सितंबर से हुई है। साव ने कहा कि 17 सितंबर को प्रदेश के गांवों, शहरों और नगरीय क्षेत्रों में लोगों ने स्वेच्छा से आशीर्वाद के दीप जलाए। जिला मुख्यालयों के साथ संभाग, विकासखंड और नगरीय निकाय मुख्यालयों में भी कार्यक्रम आयोजित किए गए। उन्होंने इसे सेवा, समर्पण और जनभागीदारी का उदाहरण बताया। उप मुख्यमंत्री ने कांग्रेस के बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि शराब घोटाले में शामिल लोगों को सरकार से सवाल करने का नैतिक अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में पीएम आवास, आयुष्मान भारत, उज्ज्वला योजना और पीएम किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओं का लाभ लोगों को मिला है। साव ने बस्तर में नक्सलवाद के खिलाफ हुई कार्रवाई का भी उल्लेख किया।

भिलाई में महाराष्ट्रीयन परिवारों ने मनाया महालक्ष्मी गौरी पूजन पर्व

भिलाई (आरएनएस)। स्टील सिटी भिलाई में महाराष्ट्रीयन परिवारों ने पीढ़ी-दर-पीढ़ी चली आ रही परंपरा के अनुसार महालक्ष्मी गौरी पूजन पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया। शहर के विभिन्न सेक्टरों में घर-घर मां महालक्ष्मी गौरा-गौरी की प्रतिमाएं स्थापित कर विधिवत पूजा-अर्चना और आरती की गई। पर्व के दौरान घरों को फूलों और रंगोलियों से सजाया गया। महिलाओं ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मां महालक्ष्मी का स्वागत बेटी के रूप में किया। परिवारों ने धन, समृद्धि, सुख-शांति और उन्नति की कामना के साथ माता की पूजा की। आयोजक प्रशांत कुमार क्षीरसागर ने बताया कि भिलाई के विभिन्न सेक्टरों में महाराष्ट्रीयन परिवारों द्वारा यह पर्व धार्मिक एवं पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया जाता है। उषा प्रशांत क्षीरसागर ने बताया कि यह तीन दिवसीय उत्सव है।

डीसीएस-एग्रीस्टैक से सुरक्षित हुए भूमि रिकॉर्ड, योजनाओं का लाभ लेना हुआ आसान

जशपुरनगर, (आरएनएस)। सेवा संकल्प अभियान 2026 के तहत जशपुर जिले में डीसीएस एवं एग्रीस्टैक योजना किसानों के लिए सुविधा और पारदर्शिता का माध्यम बन रही है। डिजिटल रिकॉर्ड के जरिए किसानों को भूमि और फसल संबंधी जानकारी आसानी से उपलब्ध होने के साथ ही विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ लेने में भी सुविधा मिल रही है।

दुलदुला तहसील के ग्राम सिरिमकेला वार्ड क्रमांक 09 निवासी मनरखन पिता जुमन ने बताया कि पहले उन्हें अपनी भूमि की गिरदावरी और पंजीयन से जुड़ी जानकारी प्राप्त करने में परेशानी होती थी। धान की गिरदावरी हुई है या नहीं और भूमि का कितना क्षेत्रफल पंजीकृत है, इसकी जानकारी प्राप्त करने में कठिनाई होती थी। डीसीएस एवं एग्रीस्टैक योजना के तहत भूमि का डिजिटल रिकॉर्ड दर्ज होने के बाद अब उनके भूमि संबंधी दस्तावेज और अभिलेख सुरक्षित एवं व्यवस्थित हो गए हैं। डिजिटल माध्यम से फसल और भूमि की जानकारी प्राप्त करना भी आसान हुआ है।

जशपुर में 19 से 23 सितंबर तक मनाया जाएगा 11वां आयुर्वेद दिवस

जशपुरनगर (आरएनएस)। 11वें आयुर्वेद दिवस के अवसर पर जशपुर जिले में 19 से 23 सितंबर तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।संचालनालय आयुष रायपुर के निर्देशानुसार जिले के सभी आयुष संस्थानों में पांच दिवसीय कार्यक्रम आयोजित होंगे। इस वर्ष की थीम आयुर्वेद फॉर ए हेल्दियर टुमारो यानी स्वास्थ्यवर्धक भविष्य के लिए आयुर्वेद रखी गई है। जिला आयुष अधिकारी ने बताया कि 19 से 23 सितंबर तक सभी आयुष आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में काढ़ा वितरण किया जाएगा। 19 सितंबर को आयुष संस्थाओं में वृक्षारोपण, औषधीय पौधों का परिचय तथा स्कूल स्तर पर आयुर्वेद विषय पर प्रश्नोत्तरी और डिबेट का आयोजन होगा।

20 सितंबर को बाजार डांड, जशपुर में जिला स्तरीय आयुष स्वास्थ्य शिविर लगाया जाएगा। वहीं 21 सितंबर को स्कूल एवं कॉलेज स्तर पर स्वास्थ्य जनजागरूकता शिविर आयोजित किए जाएंगे।

22 सितंबर को विभिन्न आयुष संस्थाओं द्वारा जनजागरूकता रैली, पंपलेट वितरण, मैराथन दौड़ और कुर्सी दौड़ जैसी गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। कार्यक्रम के अंतिम दिन 23 सितंबर को जिला आयुष कार्यालय में आयुर्वेद संगोष्ठी, कार्यशाला एवं प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा।

डीजे बंद कराने पर भड़के गणेश पूजा समिति के लोग, रामानुजगंज थाने का घेराव

विसर्जन जुलूस के दौरान पुलिस ने डीजे बंद करने को कहा, करीब आधे घंटे तक थाने के बाहर जुटे रहे समिति के लोग; समझाइश के बाद लौटे

बलरामपुर,(ए.)। गणेश पूजा विसर्जन को लेकर शनिवार को रामानुजगंज में उस समय स्थिति गरमा गई, जब पुलिस ने डीजे बंद करने को कहा। डीजे पर प्रतिबंध को लेकर पहले से जारी निर्देशों के बीच गणेश पूजा समिति के लोग पुलिस की कार्रवाई से नाराज हो गए और रामानुजगंज थाने का घेराव कर दिया। करीब आधे घंटे तक समिति के लोग थाने के बाहर मौजूद रहे। स्थिति को देखते हुए पुलिस ने अतिरिक्त बल भी बुलाया।बताया गया कि छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के दिशा-निर्देशों के अनुसार प्रदेश में डीजे को लेकर प्रतिबंध लागू है। गणेशोत्सव से पहले रामानुजगंज में शांति समिति की बैठक भी आयोजित की गई थी, जिसमें डीजे पर प्रतिबंध सहित त्योहार के दौरान शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने को लेकर आवश्यक निर्देश दिए गए थे। शनिवार को गणेश पूजा विसर्जन के लिए एक समिति के लोग डीजे के साथ थाना रोड से गुजर रहे थे। इसी दौरान रामानुजगंज पुलिस ने डीजे बंद करने के लिए कहा। पुलिस की इस कार्रवाई के बाद समिति के लोग नाराज हो गए और बड़ी संख्या में थाने पहुंचकर घेराव शुरू कर दिया। कुछ देर में थाने के बाहर लोगों की भीड़ जुट गई। मामले की जानकारी मिलने पर पुलिस ने अतिरिक्त बल बुलाया और स्थिति को नियंत्रित किया। करीब आधे घंटे तक थाने के बाहर लोगों की मौजूदगी रही। पुलिस अधिकारियों ने समिति के लोगों को समझाइश देते हुए डीजे प्रतिबंध से संबंधित निर्देशों का पालन करने की बात कही। इसके बाद समिति के लोग वहां से वापस चले गए। घटना के दौरान पुलिस ने स्थिति को शांतिपूर्ण तरीके से संभालने का प्रयास किया। फिलहाल क्षेत्र में स्थिति सामान्य बताई जा रही है।

राधा अष्टमी पर राधा-कृष्ण मंदिर में उमड़े श्रद्धालु

रामानुजगंज नगर (आरएनएस)।के वार्ड क्रमांक 9 में कन्हर नदी तट स्थित रानी सती मंदिर परिसर के राधा-कृष्ण मंदिर में शनिवार को राधा अष्टमी का पर्व भक्तिमय माहौल में मनाया गया। दोपहर 12 बजे राधा रानी का जन्मोत्सव मनाया गया, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं और श्रद्धालुओं ने शामिल होकर पूजा-अर्चना की। राधा अष्टमी के अवसर पर मंदिर परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से राधा-कृष्ण की पूजा कर सुख-समृद्धि की कामना की। जन्मोत्सव के बाद महिलाओं ने एक-दूसरे को दही और हल्दी लगाकर उत्सव की खुशियां साझा कीं। इससे मंदिर परिसर में भक्ति के साथ उल्लास का माहौल बना रहा। बताया गया कि मंदिर में राधा अष्टमी पूजा की शुरुआत पिछले वर्ष सुप्रिया गुप्ता, नेहा गुप्ता सहित अन्य श्रद्धालुओं ने की थी। इस वर्ष आयोजन को और व्यापक रूप दिया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। मंदिर के मुख्य पुजारी धीरज मिश्रा ने बताया कि राधा अष्टमी को लेकर मंदिर की विशेष साज-सज्जा की गई थी। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष शुरू हुई पूजा इस बार काफी धूमधाम से आयोजित हुई और श्रद्धालुओं ने पूरे भक्तिभाव के साथ राधा-कृष्ण की आराधना कर जन्मोत्सव मनाया।

महालक्ष्मी गौरी पूजन पर्व

भिलाई (आरएनएस)। स्टील सिटी भिलाई में महाराष्ट्रीयन परिवारों ने पीढ़ी-दर-पीढ़ी चली आ रही परंपरा के अनुसार महालक्ष्मी गौरी पूजन पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया। शहर के विभिन्न सेक्टरों में घर-घर मां महालक्ष्मी गौरा-गौरी की प्रतिमाएं स्थापित कर विधिवत पूजा-अर्चना और आरती की गई। पर्व के दौरान घरों को फूलों और रंगोलियों से सजाया गया। महिलाओं ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मां महालक्ष्मी का स्वागत बेटी के रूप में किया। परिवारों ने धन, समृद्धि, सुख-शांति और उन्नति की कामना के साथ माता की पूजा की। आयोजक प्रशांत कुमार क्षीरसागर ने बताया कि भिलाई के विभिन्न सेक्टरों में महाराष्ट्रीयन परिवारों द्वारा यह पर्व धार्मिक एवं पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया जाता है। उषा प्रशांत क्षीरसागर ने बताया कि यह तीन दिवसीय उत्सव है।

खेल समाचार

न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर रचिन रवींद्र इंजर्ड, भारत के खिलाफ टी20 सीरीज में खेलने पर संशय

नई दिल्ली (आरएनएस)। न्यूजीलैंड के युवा ऑलराउंडर रचिन रवींद्र इंजर्ड हो गए हैं। इंजरी की वजह से भारत के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज में उनका खेलना संदिग्ध हो गया है। रचिन रवींद्र बुधवार को ऑकलैंड में एक प्रमोशनल शूट के दौरान डाइविंग कैच लेने की कोशिश में इंजर्ड हो गए। रवींद्र का दाहिना कंधा खिसक गया है। डॉक्टरों ने शुरुआती जांच में किसी बड़े स्ट्रक्चरल डैमेज की बात से इनकार किया है। हालांकि, मैदान पर उनकी वापसी रिहैबिलिटेशन के शुरुआती स्टेज की रिकवरी पर निर्भर करेगी। न्यूजीलैंड के परफॉर्मेंस मैनेजर माइक सैंडल ने कहा कि शूटिंग के दौरान कैच लेने की कोशिश में रवींद्र सेफ्टी मैट पर गिर गए। यह सच में एक बुरी चोट थी। हम उनके लिए दुखी हैं। हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता यह है कि वह अच्छी तरह से ठीक हों और जितनी जल्दी हो सके मैदान पर वापस आएं।

उन्होंने कहा, हमारे खिलाड़ियों से जुड़े सभी कमर्शियल शूट की तरह, इन एक्टिविटीज पर सभी पार्टियों ने पहले ही सहमति दे दी थी, जिसमें सही सेफ्टी उपाय किए गए थे। यह घटना थोड़ी अजीब है। हम आगे भी इस तरह के इवेंट्स के लिए अपनी प्रक्रिया की समीक्षा करते रहेंगे।

न्यूजीलैंड के हेड कोच रॉब वाल्टर ने कहा कि आगे व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए टीम रवींद्र के साथ सावधानी से पेश आएगी। हम रचिन को जरूरत से ज्यादा जल्दी वापस नहीं लाना चाहते। वह अपने रिहैब के मामले में अच्छे हाथों में है और हम जल्द ही उसका स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं।

न्यूजीलैंड अगले सप्ताह की शुरुआत में भारत के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज के लिए टीम की घोषणा करेगा। भारत के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज 22 अक्टूबर से शुरू हो रही है, लेकिन यह साफ नहीं है कि रवींद्र खेलने के लिए समय पर ठीक हो पाएंगे या नहीं।

भव्य ओपनिंग सेरेमनी के साथ हुई 'एशियन गेम्स 2026' की शुरुआत, मनु-पवन ने शान से लहराया 'तिरंगा'

नागोया (आरएनएस)। नागोया के मिजुहो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में शनिवार को 20वें एशियन गेम्स का भव्य उद्घाटन हुआ। इस खास मौके पर पूरे एशिया के खिलाड़ी एक साथ जुटे और महाद्वीप के सबसे बड़े खेल आयोजनों में से एक की आधिकारिक शुरुआत हुई।ओपनिंग सेरेमनी के दौरान स्टेडियम रंग-बिरंगी रोशनी और शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से जगमगा उठा। संगीत और उत्साह के माहौल में कुछ समय के लिए मेडल और मुकाबलों की चर्चा पीछे छूट गई, जबकि खिलाड़ियों और दर्शकों ने इस ऐतिहासिक पल का भरपूर आनंद लिया। जापान के सम्राट नारुहितो ने आइची-नागोया में महाद्वीपीय खेल आयोजन के 20वें संस्करण की शुरुआत की घोषणा की। इसके साथ ही उस कार्यक्रम का औपचारिक आगाज हुआ जिसमें अगले दो हफ्तों में हजारों एथलीट हिस्सा लेंगे। भारत के लिए इस शाम का अपना ही रंग था। स्टेडियम में भारतीय दल की अगुवाई दो बिल्कुल अलग खेल जगत के एथलीट्स ने की—ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर और कबड्डी स्टार पवन सहरावत। हाथ में ऊंचा तिरंगा लिए, यह जोड़ी उस दल का चेहरा बनी जो उम्मीदों और हांग्जो में एशियन गेम्स 2023 में भारत के रिकॉर्डतोड़ अभियान की यादों को साथ लेकर चल रहा था। भाकर की मौजूदगी ने इस मौके को ओलंपिक वाली चमक दी, जबकि सहरावत ने भारत के सबसे सफल देसी खेलों में से एक का प्रतिनिधित्व किया। उनके पास पिछले एशियन गेम्स में भारत के स्वर्ण पदक जीतने वाले कबड्डी

अभियान का हिस्सा रहने का अनुभव भी था। हालांकि, शुरुआत में सहरावत का भाकर के साथ बतौर फ्लैग बियरर होना तय नहीं था। शॉट पुटर तेजिंदरपाल सिंह तूर को भारत का पुरुष ध्वजवाहक चुना गया था, लेकिन एक तकनीकी समस्या के कारण वे समारोह में शामिल नहीं हो सके। आखिरी समय में हुए इस बदलाव ने सहरावत को सुर्खियों में ला दिया और बड़ी सावधानी से तैयार की गई शाम में एक अप्रत्याशित मोड़ जोड़ दिया। मगर जैसे ही भारतीय दल स्टेडियम में दाखिल हुआ, यह बदलाव गौण हो गया। तिरंगा पूरे मैदान में आगे बढ़ा। एथलीट्स ने भीड़ का अभिवादन किया और कैमरों ने उस पल को कैद किया जो नागोया खेलों की शुरुआती यादों में शुमार रहेगा। यह समारोह प्रतियोगिता से ज्यादा जापान की कहानी बताने पर केंद्रित था। पारंपरिक जापानी तत्वों का आधुनिक प्रदर्शनों, तकनीक और संगीत के साथ मेल हुआ, जिससे एक ऐसा उत्सव तैयार हुआ जिसने देश की समृद्ध विरासत को उसकी आधुनिक पहचान से जोड़ने का प्रयास किया। जापान के सम्राट और साम्राज्ञी की मौजूदगी ने इस मौके की अहमियत और बढ़ा दी। स्टेडियम के बाहर नागोया शहर ने एशिया भर से आने वाले खिलाड़ियों, अधिकारियों और खेल प्रेमियों के स्वागत के लिए कई दिनों तक तैयारियां की थीं। वहीं, स्टेडियम के अंदर माहौल पूरी तरह उत्सव में बदल गया, जहां रंग-बिरंगी रोशनी, संगीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने ओपनिंग सेरेमनी को यादगार बना दिया। हालांकि, एथलीट्स के लिए असली सफर तो बस शुरू ही हो रहा था। ओपनिंग सेरेमनी ने उन्हें रुकने, एक साथ खड़े होने और एक समुदाय के तौर पर गेम्स का अनुभव करने का एक खास मौका दिया। जल्द ही वह लक्ष्यों, टाइमिंग, रणनीति, प्वाइंट्स और मेडल की जानी-पहचानी दुनिया में लौट जाएंगे। भारत नागोया जरूर पहुंचा है, लेकिन हांगझोऊ की यादें अभी भी ताजा थीं। एशियन गेम्स 2023 में भारत ने ऐतिहासिक रूप से 107 मेडल जीते, जिनमें 28 गोल्ड मेडल शामिल थे।

एशियन गेम्स : आईओए अध्यक्ष पीटी उषा ने ओसीए प्रमुख और सदस्यों से मुलाकात की

नई दिल्ली (आरएनएस),। इंडियन ओलंपिक एसोसिएशन (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने आइची-नागोया में एशियन गेम्स के आधिकारिक स्वागत समारोह में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने ओलंपिक काउंसिल ऑफ एशिया (ओसीए) के अध्यक्ष शेख जोआन बिन हमद अल थानी और एशियन स्पोर्टिंग फ्रेटरनिटी के दूसरे सदस्यों से मुलाकात की। पीटी उषा मुलाकात की तस्वीर को एक्स पर साझा करते हुए लिखा, ओसीए अध्यक्ष शेख जोआन बिन हमद अल थानी और ओसीए के सदस्यों से आधिकारिक स्वागत समारोह में मिलना शानदार था हम सब मिलकर पूरे एशिया में खेल के विकास का रास्ता बना रहे हैं। यह समारोह एशियन गेम्स की ओपनिंग सेरेमनी से पहले रखा गया था। ओपनिंग सेरेमनी शनिवार को पालोमा मिजुहो स्टेडियम में होनी है। आइची-नागोया एशियन गेम्स में पूरे कॉन्टिनेंट के एथलीट एक साथ आएंगे।

ओलंपिक काउंसिल ऑफ एशिया के अध्यक्ष शेख जोआन बिन हमद अल थानी ने एशियन गेम्स से पहले जापान के नागोया में 110वीं ओसीए एग्जीक्यूटिव बोर्ड मीटिंग का भी नेतृत्व किया।

मीटिंग में आने वाले ओसीए कार्यक्रमों की तैयारियों पर बात हुई, जिसमें एशियन इंडोर और मार्शल आर्ट्स गेम्स रियाद 2026, एशियन बीच गेम्स इन सेबू 2028, और एशियन विंटर गेम्स इन अल्माटी 2029 शामिल हैं।

शनिवार की ओपनिंग सेरेमनी से पहले ही एशियाड में भारत का कैंपेन शुरू हो गया, जिसमें टेकबॉल और क्रिकेट में पहले से ही एक्शन चल रहा है। टेकबॉल के महिला एकल सेमीफाइनल में क्रिम्सी जोआकिम डिसूजा को हार का सामना करना पड़ा है। वह कांस्य पदक के लिए मुकाबला करेंगी। वहीं, भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने भी क्वार्टर फाइनल में मेजबान जापान पर बड़ी जीत हासिल कर सेमीफाइनल में जगह बना ली है। सेमीफाइनल में भारतीय टीम का मुकाबला बांग्लादेश से होना है।

भारत ए के खिलाफ सीरीज को ऑस्ट्रेलिया की सीनियर टीम में जगह बनाने के मौके के तौर पर देख रहे हैं ब्रेंडन डॉगेट

चेन्नई,(आरएनएस)। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज ब्रेंडन डॉगेट का लक्ष्य अगले साल भारत में होने वाली पांच टेस्ट मैचों की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए राष्ट्रीय टीम में जगह बनाना है। डॉगेट भारत ए के खिलाफ चार दिवसीय मैचों की सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया ए टीम का हिस्सा हैं और इस दौरे का इस्तेमाल राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने के लिए करना चाहते हैं। ब्रेंडन डॉगेट फरवरी में हुई हैमस्ट्रिंग इंजरी के बाद क्रिकेट में वापसी कर रहे हैं। वह ऑस्ट्रेलिया के लिए पिछले होम सीजन में दो टेस्ट मैच खेल चुके हैं। चेन्नई में बिग बैश लीग (बीबीएल) के एक इवेंट में डॉगेट ने कहा, उम्मीद है, मैं बॉर्डर-गावस्कर टेस्ट सीरीज का हिस्सा बन पाऊंगा। मुझे लगता है कि एक ऑस्ट्रेलियाई के तौर पर यह बड़ी सीरीज में से एक है। इंडिया में टेस्ट क्रिकेट देखते हुए बड़ा हुआ हूं। यह सच में बहुत मेहनत और ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड में मिलने वाली चुनौतियों से अलग लगता है। उम्मीद है कि मैं उस टीम का हिस्सा बन पाऊंगा और उस सीरीज में भूमिका निभा पाऊंगा।

अपनी फिटनेस पर डॉगेट ने कहा, शरीर अभी तक ठीक चल रहा है। मैं गेंदबाजी कर रहा हूं और इंडिया ए के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करने और उम्मीद है कि कुछ टेस्ट क्रिकेट खेलने का इंतजार कर रहा हूं।

उन्होंने कहा, मैं शायद पिछले दो महीनों से पूरी तरह फिट होकर दौड़ रहा हूं। सब कुछ अच्छा लग रहा है और नियंत्रण में है। घर पर सर्दी बिताने के बाद, यहां के हालात बहुत अलग होने वाले हैं। हमने गर्मी से थोड़ा तालमेल बिठाने का काम किया है। हालांकि, शरीर पर काम का बोझ भी पड़ रहा है।

ई-कचरे से बने ASIAN GAMES 2026 के अनोखे मेडल्स, टूटे टुकड़ों से मिली डिजाइन की प्रेरणा; जानें 5 बड़ी खूबियां

नागोया,(आरएनएस)। जापान के आइची-नागोया में आयोजित होने जा रहे 20वें एशियन गेम्स के पदकों का अनावरण कर दिया गया है। अपनी अनूठी कलात्मकता, जापानी सांस्कृतिक विरासत और पर्यावरण संरक्षण के आधुनिक नजरिए के कारण इन मेडल्स का डिजाइन दुनियाभर में सुर्खियां बटोर रहा है। एक राष्ट्रीय डिजाइन प्रतियोगिता के जरिए चुने गए इस डिजाइन को मशहूर जापानी डिजाइनर डाइसुके शीबा ने तैयार किया है। शीबा का यह विजन खेलों के आधिकारिक नारे 'इमेजिन वन एशिया' और विविधता में एकता की थीम को पूरी खूबसूरती के साथ पेश करता है।

टूटी सेरामिक डिस्क्स से निकला अनोखा कॉन्सेप्ट

डिजाइनर डाइसुके शीबा ने मेडल का अंतिम रूप तय करने के लिए एक बेहद दिलचस्प और दार्शनिक तरीका अपनाया। उन्होंने मेडल तैयार करने की प्रक्रिया के दौरान जानबूझकर कई सेरामिक डिस्क्स को तोड़ा और फिर उनके बिखरे हुए टुकड़ों के जुड़ाव की बनावट का अध्ययन किया। शीबा का मानना है कि किसी भी एथलीट का सफर असफलताओं, चोटों, संघर्ष और निरंतर मेहनत के बिखरे पलों से बनता है। जब ये सभी टुकड़े एक साथ जुड़ते हैं, तब जाकर वह मेडल के रूप में एथलीट की जीत का प्रतीक बनते हैं। यह डिजाइन एशियाई संस्कृतियों और अलग-अलग भाषाओं के खेल मंच पर एकजुट होने को भी दर्शाता है।

रिसाइकिल्ड ई-कचरे से लेकर हिनोकी लकड़ी तक का मेल

पर्यावरण संरक्षण और सर्कुलर इकोनॉमी का संदेश देते हुए इन पदकों को जापान के नगर निगमों द्वारा एकत्र किए गए पुराने व छोटे इलेक्ट्रॉनिक कचरे से धातु निकालकर बनाया गया है। इसके अलावा, मेडल को सहेजने के लिए तैयार किया गया विशेष बॉक्स आइची की प्रसिद्ध 'हिनोकी' लकड़ी से बना है, जो जापानी पारंपरिक चाय संस्कृति (टी सेरेमनी) से प्रेरित है। मेडल का रिबन भी बेहद खास है, जिस पर आइची प्रांत के आधिकारिक फूल 'काकित्सुबाता' का खूबसूरत सिल्हूट उकेरा गया है। इसके घुमावदार पैटर्न खिलाड़ियों के लचीलेपन और अदम्य साहस को बयां करते हैं।

साइज और वजन का पूरा गणित

तकनीकी बनावट की बात करें तो सभी मेडल 8 सेंटीमीटर डायमीटर और 5 मिलीमीटर मोटाई के गोलाकार फॉर्मेट में तैयार किए गए हैं। गोल्ड मेडल का वजन करीब 265 ग्राम है, जिसमें शुद्ध चांदी पर कम से कम 1 ग्राम सोने की परत चढ़ाई गई है। वहीं, 264 ग्राम का सिल्वर मेडल पूरी तरह प्योर सिल्वर से निर्मित है। इसके अलावा, 222 ग्राम वजन वाले ब्रॉन्ज मेडल को 95 फीसदी तांबे और 5 फीसदी जिंक के मिश्रण से तैयार किया गया है।

कृषि उपज मंडी के पास हरी नेट लगाकर हो रही अवैधानिक गतिविधि

नर्मदापुरम (निप्र)। कृषि उपज मंडी के पास हरी नेट लगाकर कुछ लोग अवैधानिक गतिविधियों का संचालन कर रहे हैं। यहां पर किसकी सह पर यह अवैध कार्य चल रहे हैं। इसकी जानकारी प्रशासन को लेना चाहिए। जिससे किसी दिन कोई अप्रिय घटना न हो सके। सूत्रों से ज्ञात हुआ है कि यहां पर नशीली वस्तु का उपयोग भी हो रहा है। चुपचाप कुछ लोग यहां पर नेट की आड़ में अवैध शराब लाकर सेवन करने तथा कुछ अन्य नशीली वस्तु का भी इस्तेमाल हो रहा है। जिससे इस क्षेत्र के लोगों में भय का माहौल बना हुआ है। लोग सामने इसलिए भी नहीं आते क्योंकि यहां पर जो नशे के आदि लोगों का आना जाना लगा रहता है। उससे खतरा भी बना हुआ है। प्रशासन को इस तरह की गतिविधि को रोकने के लिए अभी से प्रयास करना चाहिए जिससे कोई पक्का अतिक्रमण न कर सके।

मंदिर में सज रहे हैं भगवान के विमान दो दिन बाद है डोल ग्यारास

नर्मदापुरम(निप्र) । भादों माह की शुक्ल पक्ष की एकादशी को डोल ग्यारस कहा जाता है। डोल ग्यारस के अवसर पर मंदिरों से भगवान के विमान निकाले जाएंगे। जिन मंदिरों से विमान निकाले जाते हैं। उन मंदिरों में विमान सजाने की तैयारी जारी है। दो दिन बाद को शहर में हर गली मोहल्ले से विमान निकाले जाएंगे। विमान में भगवान श्रीकृष्ण अपनी मां यशोदा के साथ नगर भ्रमण को निकलेगें। पं अनिरूद्ध शर्मा ने बताया कि द्वापर युग में मां यशोदा घाट पूजन के लिए गई थी तब उनके पीछे उनका लल्ला कन्हा भी जिद करके जाने को तैयार हो गए थे। इस कारण तब से यह परंपरा तब से हर वर्ष भादों माह की एकादशी के अवसर पर जारी है। मां यशोदा अपने पुत्र कन्हैया के साथ विमान में विराजमान होकर घाट पूजन के लिए गई थी। विमान शहर के विभिन्न मार्ग से होते हुए नर्मदा तट पर पहुंचेगे। शहर के नागरिकों और व्यापारियों के द्वारा विमान में विराजमान भगवान की पूजन अर्चन की जाएगी।

पर्वराज पर्यूषण पर्व में जैन मंदिरों में उमड़ रहे श्रद्धालु

नर्मदापुरम (निप्र) । जैन समाज का पर्व राज पर्यूषण पर्व जारी है। शहर के सभी जैन मंदिरों में जैन समाज के श्रद्धालुओं का तांता लग रहा है। पर्यूषण पर्व पर बहुत श्रद्धा भक्ति के साथ जैन समाज में उत्साह का माहौल है। अनेक श्रद्धालु जैन समाज के बड़े तीर्थ की ओर भी दर्शन करने के लिए पहुंच रहे हैं। स्थानीय जैन मंदिर में भी अनेक स्थानों से जैन समुदाय के श्रद्धालुओं का आना जाना लगा हुआ है। जैन समाज के श्रद्धालुओं ने बताया कि पर्यूषण पर्व का विशेष महत्व है। तप के इन दिनों में संयम पूर्वक धर्म आराधना कर असीम पुण्य का संचय किया जाता है।

लगातार बारिश से स्कूलों की हालत हुई खराब दीवार और फर्श हैं गीले

सभी स्कूलों में हो रही सीलन, बच्चों के स्वास्थ्य पर पड़ रहा विपरीत असर

नर्मदापुरम (निप्र)। क्षेत्र में पिछले महीने में रूक-रूक कर हुई वर्षा से बीते वर्ष की तरह ही सरकारी स्कूलों की हालत खराब हो रही है। अधिकांश स्कूल भवनों का बुरा हाल है। कभी तेज कभी धीमी गति से हुई वर्षा के कारण स्कूल भवनों की छतों से पानी टपकता रहा। सभी स्कूलों जिनमें शासकीय के साथ अनेक अशासकीय स्कूलों के फर्श से लेकर दीवार तक गीली हो चुकी हैं। स्कूलों में सीलन जमकर हो गई। फर्श भी ठंडे बने हुए हैं। जिसका असर बच्चों के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। स्कूलों के क्लास रूम, स्टाफ रूम और लाइब्रेरी तक में पानी टपकता रहा है। ऐसी स्थिति में बच्चों को यहां वहां बैठाकर शिक्षक कोर्स पूरा करा रहे हैं। कुछ स्कूलों की हालत तो इतनी दयनीय है कि अंदर बैठने तक की सही जगह नहीं बची है।

1864 हैं सरकारी स्कूल

जिले में प्रायमरी, माध्यमिक, हाई स्कूल और हायर सेकेंडरी स्कूल मिलाकर 1864 हैं। इनमें से एक भी स्कूल ऐसा नहीं बचा है कि जिसमें सीलन की स्थिति ना हो। इन सभी स्कूलों के छत से पानी टपकने के साथ ही दीवार भी गीली हो चुकी हैं। अधिकांश स्कूलों में तो बारिश का पानी अंदर तक चले जाने के कारण फर्श गीले हैं। जिससे स्कूली बच्चों को स्कूल में बैठने की समस्या बनी हुई है।

कमिश्नर कालोनी का स्कूल

कमिश्नर कालोनी के प्राथमिक स्कूल में छत से लेकर फर्श तक गीला बना हुआ है। दीवालें तो और ज्यादा गीली हैं। जिससे बच्चों के स्वास्थ्य पर असर पड़ रहा है। यहं के कुछ छात्रों को खांसी चल रही है। शर्दी भी हो रही है।

उत्कृष्ट स्कूल की हालत

जिले के सबसे प्राचीन स्कूल जिसे पहले गवर्मेंट स्कूल कहा जाता था। अब इसे उत्कृष्ट स्कूल कहा जाता है। इस स्कूल का निर्माण अंग्रेजों के शासन काल में हुआ है। भवन जीर्णशीर्ण हो चुका है मरम्मत की दम पर टिका हुआ है लेकिन अनेक कक्षों में वर्षा का पानी टपकता है। इस वर्ष अधिक वर्षा होने से स्कूल की हालत काफी खराब हो चुकी है। जिससे बच्चों को परेशानी होती है।

एसएनजी स्कूल

शहर के मध्य में स्थित प्राचीन शाससकीय एसएनजी स्कूल भी लगातार वर्षा के कारण अंदर बाहर और ऊपर से क्षतिग्रस्त हो चुका है। स्कूल पर कबेलू हैं जिनमें से पानी अंदर आ जाता है। जिससे नमी बनी हुई है। इसकी भी मरम्मत बार- बार कराए जाने के कारण यहां पर कक्षा में टेबिल कुर्सी लगा कर बैठना हो पाता है। नीचे फर्श की हालत ठीक नहीं है। इस स्कूल के भी 24 कक्षों में से करीब 14 कक्षों में सीलन और अधिक होने के कारण पूरी दीवारें गीली हो चुकी हैं। अब पुराना स्कूल टूट कर नया बनाने का कार्य चल रहा है।

कन्या शालाओं की हालत

शहर में दो कन्या शालाएं हैं जिनमें एसएनजी स्कूल के सामने की कन्या उच्चतर माध्यिक शाला सबसे पुरानी शाला है यहां के आधे से अधिक भवन क्षतिग्रस्त हैं। जिनकी खिलड़ी दरवाजे से पानी अंदर पहुंच गया है। जिससे दीवार के साथ ही फर्श भी गीला हो चुका है। ऐसा ही हाल शहर की जुमेराती कन्या शाला का भी है यहां पर भी वर्षा के पानी से स्कूल की दीवारें तथा फर्श गीले हो चुके हैं।

निजी स्कूलों में भी शीलन

लगातार बारिश के कारण शहर के 200 स्कूलों में से करीब 70 प्रतिशत स्कूलों की दीवारों में भी सीलन काफी आ चुकी है। इनमें से करीब 50 प्रतिशत स्कूलों में बारिश का पानी छत से टपपकने तथा खिड़की दरबाजे के पास से रिसकर अंदर तक जाने से स्कूलों के फर्श गीले बने हुए हैं। इससे नीचे बैठने वाले बच्चों के स्वास्थ्य पर विपरीत असर पड़ने की संभावना बन रही है।

मुख्यमंत्री स्कूटी वितरण योजना 2026 : जिले के 125 मेधावी विद्यार्थी लाभान्वित

नर्मदापुरम(निप्र) । मुख्यमंत्री स्कूटी वितरण योजना 2026 के अंतर्गत जिले के 125 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को नि:शुल्क स्कूटी का लाभ मिला है। राज्य स्तरीय स्कूटी वितरण कार्यक्रम का आयोजन भोपाल में किया गया, जिसमें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश के मेधावी विद्यार्थियों को योजना का लाभ प्रदान किया।योजना के तहत माध्यमिक शिक्षा मंडल की हायर सेकेण्डरी परीक्षा वर्ष 2026 में प्रथम अवसर में शासकीय विद्यालय में अध्ययनरत और अपने विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले एक बालक एवं एक बालिका को नि:शुल्क स्कूटी प्रदान की जाती है। शासन द्वारा मोटराइज्ड (पेट्रोल) स्कूटी के लिए 90,000 रुपये और ई-स्कूटी के लिए 1,20,000 रुपये की राशि स्वीकृत की गई है।जिले से इस योजना में कुल 125 विद्यार्थी लाभान्वित हुए हैं, जिनमें 55 बालक और 70 बालिकाएं शामिल हैं।जिला शिक्षा अधिकारी एल. एन. प्रजापति ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले में ई-स्कूटी के लिए 57 विद्यार्थी तथा मोटराइज्ड पेट्रोल स्कूटी के लिए 68 विद्यार्थी पात्र पाए गए। सभी पात्र विद्यार्थियों को इस योजना अंतर्गत लाभ प्रदान किया गया है।

इंटरनेट के युग में बुजुर्गों के मनोरंजन का सहारा है चौपड़

बलराम शर्मा

नर्मदापुरम् । वर्तमान हाईटेक युग में जहां बच्चे, युवा और महिलाओं के मनोरंजन के लिए सबसे महत्वपूर्ण साधन मोबाइल हो चुका है। लेकिन आज भी कई बुजुर्गों के मनोरंजन का साधन चौपड़ के रूप में देखा जा रहा है। इस इंटरनेट के युग में जहां पारंपरिक खेल धीरे.धीरे लोगों की जिंदगी से दूर होते जा रहे हैं। वहीं नर्मदापुरम में आज भी अनेक स्थानों पर सदियों पुरानी चौसर चौपड़ की परंपरा जीवित देखी जा रही है। शाम के समय अनेक लोग एकत्र होकर चौपड़ का खेल बडे चाव के साथ खेलते हैं और आपसी मेल.मिलाप के साथ स्वस्थ मनोरंजन का आनंद लेते हैं। कृषि उपज मंडी के अंदर बट वृक्ष के नीचे प्राय: हर दिन चौपड़ के खेल का आयोजन बुजुर्गों के बीच होता रहता है। चौपड़ के जानकार एमके सोनी का कहना है कि चौसर भारतीय संस्कृति का एक प्राचीन खेल है।

जिसका उल्लेख महाभारत में भी मिलता है। मान्यता है कि हस्तिनापुर की राजसभा में हुए द्यूत प्रसंग में इसी परंपरा से जुड़े खेल के माध्यम से पांडवों और कौरवों के बीच घटनाक्रम आगे बढ़ा था। हालांकि आज गांवों या अन्य शहरी स्थानों पर बुजुर्गों के बीच में खेली जाने वाली चौपड़ या चौसर केवल मनोरंजन आपसी भाईचारे और सामाजिक मेल.जोल का माध्यम है इसका जुए से दूर दूर तक कोई संबंध नहीं है। वर्तमान समाज में भी इसमें कोई बुराई नहीं देखी जाती है। रणजीत सिंह पहलवान का कहना है कि चौपड़ केवल खेल ही नहीं बल्कि सामाजिक संस्कृति का हिस्से के रूप में भी देखा जा सकता है। इस खेल से धैर्य, रणनीति, एकाग्रता और आपसी संवाद की भावना विकसित होती है। पहले हर मोहल्ले की चौपाल पर यह खेल आम होता था। खासकर गांवों की चौपालों पर होता रहता था। वहां भी कम हो गया है। लेकिन अनेक गांव में आज भी कई बुजुर्गों के बीच में यह खेल होता रहता है। इतना जरूर है कि आधुनिक जीवनशैली के कारण अब यह परंपरा धीरे.धीरे कम होती जा रही है। नई पीढ़ी को मोबाइल और ऑनलाइन गेम्स के साथ.साथ ऐसे देसी खेलों से भी परिचित कराया जाना चाहिए, ताकि हमारी सांस्कृतिक विरासत आने वाली पीढ़ियों तक सुरक्षित रह सके।

द चैम्प्स फन स्कूल में हुए पब्लिक स्पीकिंग कम्पीटीशन

नन्हे स्पीकर्स ने दिखाया आत्मविश्वास, जीते पुरस्कार

नर्मदापुरम(निप्र) । द चैम्प्स फन स्कूल में आयोजित पब्लिक स्पीकिंग प्रतियोगिता के फाइनल राउंड एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन उत्साह और गरिमापूर्ण वातावरण में किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपनी आत्मविश्वासपूर्ण अभिव्यक्ति प्रभावशाली वाचन स्पष्ट उच्चारण एवं उत्कृष्ट मंचीय प्रस्तुति से सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद, श्रीमती माया नारोलिया, कलेक्टर सोमेश मिश्रा तथा एएसपी अभिषेक राजन ;ने पुरस्कार वितरित किए।मुख्य अतिथियों द्वारा प्रतियोगिता के प्रतिभावान नन्हे स्पीकर्स को पुरस्कार एवं प्रमाण.पत्र प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति ने विद्यार्थियों के लिए इस अवसर को और भी विशेष बना दिया। प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों को मंच पर अपने विचार प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करनेए आत्मविश्वास के साथ बोलने तथा अपनी अभिव्यक्ति एवं संचार कौशल को निखारने का अवसर मिला। प्राचार्य डॉ आशीष चटर्जी ने सभी प्रतिभागियों की मेहनत एवं उत्साह की सराहना करते हुए कहा कि हर मंच पर बोलने का साहस ही भविष्य के आत्मविश्वासी व्यक्तित्व की नींव रखता है। विद्यालय सभी विद्यार्थियों को चैंपियन बनाने के लिए कार्यरत है।सांसद श्रीमती नारोलिया ने विद्यालय के बच्चों की प्रतिभा हेतु विद्यालय परिवार और शिक्षिकाओं को साधुवाद दिया। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने विद्यालय के प्रयासों की सराहना करते हुए बच्चों को उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु बधाई दी। उन्होंने बच्चों को सभी प्रतियोगिताओं को बिना किसी दवाब के आनंद लेने का संदेश दिया। अभिभावकों को बच्चों के साथ संवेदनशीलता का व्यवहार करने को कहा। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक राजन ने बच्चों को जीत हार से ज्यादा प्रतिभागिता करने को महत्वपूर्ण बताया। इस अवसर पर श्रीमती डॉ रुद्रिका मिश्रा, श्रीमती प्रियंका राजन डायरेक्टर सुभाशीष चटर्जी श्रीमती जूही चटर्जी प्राचार्य श्रीमती मोना चटर्जी उपस्थित रहे। समारोह का समापन विद्यार्थियों की उपलब्धियों का उत्सव मनाते हुए किया गया। द चैम्प्स फन स्कूल के लिए यह आयोजन विद्यार्थियों की प्रतिभा आत्मविश्वास और उपलब्धियों का एक गौरवपूर्ण अवसर रहा। कार्यक्रम सुश्री स्नेहा शर्मा के निर्देशन में प्रभारी सुश्री मनीषा तोमर एवं सुश्री ऋचा सोनी ने एडमिन स्टाफ सहित शिक्षिकाओं के सहयोग से सफल बनाया।

जिला न्यायालय नर्मदापुरम् में वृहद स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित, 350 से अधिक लाभान्वित

नर्मदापुरम(निप्र) । उच्च न्यायालय जबलपुर के निर्देशानुसार जिला न्यायालय परिसर नर्मदापुरम् के ए.डी.आर भवन में 19 सितम्बर को वृहद स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया।शिविर का शुभारंभ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमती तृप्ति शर्मा की उपस्थिति में सरस्वती जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया।इस अवसर पर तृतीय जिला न्यायाधीश श्रीमती वर्षा शर्मा, विशेष न्यायाधीश श्री मनोज कुमार, प्रथम अपर जिला न्यायाधीश श्री दिनेश कुमार नोटिया, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट फिरोज अख्तर, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव सुश्री के. शिवानी, समस्त न्यायाधीशगण, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नरसिंह गहलोत, विशेषज्ञ चिकित्सा अधिकारियों की टीम, आयुष विभाग के चिकित्सक, अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह राजपूत सहित बड़ी संख्या में अधिवक्तागण एवं न्यायालयीन कर्मचारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने राष्ट्रीय डेयरी ब्रीडिंग सेंटर का किया निरीक्षण

नर्मदापुरम(निप्र) । सेवा संकल्प एवं मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने इटारसी स्थित राष्ट्रीय डेयरी ब्रीडिंग सेंटर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने केंद्र पर उपलब्ध गौवंश की संख्या की जानकारी ली तथा संपूर्ण डेयरी परिसर का भ्रमण कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया।निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री मिश्रा ने पशुओं के रखरखाव, खान-पान एवं अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि केंद्र में उपलब्ध सभी पशुओं को डाइट चार्ट के अनुसार निर्धारित मात्रा में चारा एवं दाना उपलब्ध कराया जाए, ताकि पशुओं के स्वास्थ्य एवं पोषण का उचित ध्यान रखा जा सके।कलेक्टर ने डेयरी परिसर के समीप जल भराव की स्थिति का भी निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि परिसर में जलभराव की समस्या को दूर करने के लिए उचित जल निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, जिससे पशुओं एवं केंद्र की व्यवस्थाओं पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने गौवंश का विधिवत पूजन किया तथा उन्हें गौ ग्रास एवं हरा चारा खिलाया। उन्होंने पशुओं के संरक्षण एवं बेहतर देखभाल के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हिमांशु जैन, एसडीएम इटारसी निलेश शर्मा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

समेरिटंस स्कूल में एनसीसी कैडेट्स का रैंक सेरेमनी संपन्न

नर्मदापुरम(निप्र)। समेरिटंस स्कूल में एनसीसी कैडेट्स का रैंक सेरेमनी संपन्न 13 एमपी बटालियन के सूबेदार मेजर ने लगाईं रैंक समेरिटंस सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आज एनसीसी कैडेट्स के लिए एक विशेष रैंक अलंकरण समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 13 एमपी बटालियन एनसीसी के सूबेदार मेजर वीसी तिलक मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके द्वारा स्कूल के प्रतिभावान एनसीसी कैडेट्स को उनकी उत्कृष्ट परफॉर्मेंस और सीनियरिटी के आधार पर विभिन्न रैंक सार्जेंट, कॉर्पोरल, लांस कॉर्पोरल लगाई गईं। रैंक लगाने के बाद सूबेदार मेजर ने कैडेट्स को संबोधित करते हुए कहा कि एनसीसी केवल एक यूनिफॉर्म नहीं बल्कि अनुशासन देश सेवा और नेतृत्व क्षमता सीखने का माध्यम है। उन्होंने कैडेट्स को भविष्य में सेना और देश के विकास में अपना अमूल्य योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में उपस्थित स्कूल के निदेशक डॉ आशुतोष कुमार शर्मा प्राचार्य श्रीमती प्रेरणा रावत एकडमिक एक्जीक्यूटिव विक्रांत खंपरिया स्पोर्ट्स आफिसर सचिन खंपरिया प्राइमरी प्रभारी निधि शुक्ला, एनसीसी मैनेजर प्रदीप कुमार यादव, एनसीसी अधिकारी सेकेंड अफसर विजय प्रकाश श्रीवास्तव 13 एमपी बटालियन के हवलदार सचिन कुमार ने भी अन्य कैडेट्स को रैंक लगाकर उनका सम्मान किया। इसके पूर्व एनसीसी पायलट के द्वारा सूबेदार मेजर को मंच तक लेकर आए एवं यहां पर संस्था द्वारा उनका पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया।

कार्यक्रम में एनसीसी कैडेट्स स्कूल विद्यार्थी और शिक्षक गण मौजूद रहेए जिन्होंने सभी रैंक धारक कैडेट्स को बधाई दी और उनके उज्वल भविष्य की कामना की। संचालन शाला की शिक्षिका रोशनी सराठे के द्वारा बहुत ही सुंदर तरीके से किया गया। अंत में आभार प्रदर्शन सेकंड ऑफिसर स्नेहा उपाध्याय के द्वारा किया गया।

पश्चिम मध्य रेल

(भोपाल मंडल-वाणिज्य शाखा)-निविदा सूचना

क्रमांक: वा./भो./एम-यूटीएस/अधिसूचना/ई.415406/2026 तारीख : 18.09.2026

भोपाल मंडल के NSG-2 एवं NSG-3 श्रेणी के स्टेशनों पर M-UTS सहायकों (Mobile Unreserved Ticketing System) की नियुक्ति हेतु आवेदन आमंत्रित करने संबंधी निविदा सूचना।

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, भोपाल/पश्चिम मध्य रेलवे द्वारा भोपाल मंडल के भोपाल, रानी कमलापति, संत हिरदाराम नगर, इटारसी एवं बीना स्टेशनों पर कुल 34 M-UTS सहायकों (मोबाइल अनारक्षित टिकट प्रणाली सहायक) की नियुक्ति हेतु निर्धारित नियम एवं शर्तों के अनुसार आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। **M-UTS सहायकों की संख्या का विवरण**-1. किसी भी विभाग से सेवानिवृत्ति रेल कर्मचारी। 2. सामान्य जनता। **M-UTS सहायकों की नियुक्ति हेतु स्टेशनों एवं स्वीकृत पदों का विवरण :-**

क्र.सं.	स्टेशन का नाम	M-UTS सहायकों की संख्या
1	भोपाल	10
2	रानी कमलापति	06
3	संत हिरदाराम नगर	06
4	इटारसी	06
5	बीना	06
कुल	05 स्टेशन	34

सुरक्षा राशि एवं EMD का विवरण

आवेदक की श्रेणी	सुरक्षा जमा राशि	EMD
सामान्य/जनता	रू. 1,00,000/-	रू. 10,000/-
सेवानिवृत्त रेल कर्मचारी	रू. 20,000/-	रू.10,000/-

सुरक्षा राशि एवं EMD के रूप में केवल TDR/FDR, जो वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक, भोपाल, पश्चिम मध्य रेलवे / Sr. DFM BPL/WCR के नाम से किसी राष्ट्रीयकृत बैंक द्वारा जारी हो तथा बैंक द्वारा विधिवत स्टाम्प एवं हस्ताक्षरित हो, स्वीकार की जाएगी। M-UTS सहायक हेतु आवेदन पत्र के साथ जमा की जाने वाली बयाना राशि (Earnest Money) की TDR/FDR आवेदक के स्वयं के बैंक खाते से बनवाई जाना आवश्यक है। निर्धारित शुल्क एवं आवश्यक दस्तावेजों सहित पूर्ण आवेदन पत्र को सीलबंद लिफाफे में निर्धारित तिथि एवं समय तक वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पश्चिम मध्य रेलवे, भोपाल के कार्यालय में रखे आवेदन बॉक्स में जमा करना होगा।

फॉर्म डाउनलोड करने की अंतिम तिथि: 08.10.2026 को 13.00 बजे तक।
फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि: 08.10.2026 को 15.00 बजे तक।
निविदा खोलने की तिथि एवं समय: 08.10.2026 को 16.00 बजे। (हस्ता.)

कृते मंडल रेल प्रबंधक (वा.), पश्चिम मध्य रेल, भोपाल

स्वच्छ भारत अभियान, एक कदम स्वच्छता की ओर

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com